दैनिक हिन्दी अख़बार

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

सच बेधड़क

वर्षः 2 | अंकः 317 जयपुर, गुरुवार, 26 अक्टूबर, 2023 | आश्विन, शुक्ल पक्ष- द्वादशी, विसं 2080 पृष्ठः 10 | मूल्यः 2.00

जरूरी खबर

ऑस्ट्रेलिया को मिली WC इतिहास की सबसे बड़ी जीत

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में नीदरलैंड को 309 रन से धूल चटाकर इतिहास रच डाला। ऑस्ट्रेलिया ने 399/8 का स्कोर बनाया और नीदरलैंड को 21 ओवर में 90 रन पर ढेर कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने रनों के लिहाज से वनडे वर्ल्ड कप इतिहास की सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। बता दें, वनडे इतिहास में सबसे बड़ी जीत भारत के नाम है, जो श्रीलंका पर 317 रन से जीत दर्ज कर लिस्ट में टॉप पर है।

कनाडा में वीजा सर्विस शुरू करेगा भारत... आदेश

ओटावा। भारत कनाडा में कुछ श्रेणियों के लिए वीजा सेवाएं फिर से शुरू करने जा रहा है। यह आदेश गुरुवार से प्रभावी होगा। जिन श्रेणियों के लिए सेवाएं बहाल की गई हैं, उनमें प्रवेश वीजा, बिजनेस वीजा, मेडिकल वीजा और कॉन्फ्रेंस वीजा शामिल हैं। भारतीय उच्चायोग की ओर से यह जानकारी दी गई है। इससे पहले खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में विवाद के बीच 21 सितंबर को कनाडा में भारत के लिए वीजा सेवाएं मुहैया कराने वाली एजेंसी ने परिचालन कारणों से कुछ समय के लिए इस सुविधा को निलंबित कर दिया था।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

भाजपा-कांग्रेस की तीसरी सूची इसी हफ्ते: अभी भाजपा के 76 और कांग्रेस के 124 सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान बाकी

दिग्गजों के मुकाबले मजबूत प्रत्याशियों के लिए मंथन जारी

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा-कांग्रेस की तीसरी सूची का बेसब्री से इंतजार हो रहा है। दो सूची के बाद हो रहे डैमेज पर कंट्रोल का प्रयास करने के बाद इन पार्टियों के नेता मंथन में जुटे हैं। माना जा रहा है कि इसी सप्ताह, नामांकन भरने के पहले दिन तक दोनों पार्टियां बाकी बची सीटों के प्रत्याशी घोषित कर देगी। बताया जा रहा है कि दोनों ही पार्टियों की तीसरी सूची में करीब 50-50 प्रत्याशी तय होंगे। इसके बाद चौथी सूची आएगी। संभवतः चौथी सूची में सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के सामने प्रत्याशी घोषित होंगे। वहीं, कांग्रेस की ओर से दीया कुमारी, राज्यवर्धन राठौड़, राजेन्द्र राठौड़ और पूर्व सीएम वसुंधरा राजे को टक्कर देने वाले उम्मीदवार का ऐलान होगा। अब तक भाजपा 124 और कांग्रेस 76 सीटों के लिए प्रत्याशी घोषित कर चुकी है।

अब तक 43 सीटों पर दोनों के उम्मीदवार घोषित

अब तक आईं कांग्रेस और भाजपा की दो-दो सूचियों के बाद प्रदेश की 43 सीटों पर कांग्रेस और भाजपा के प्रत्याशियों में आमने-सामने मुकाबला तय हो चुका हैं। पहली सूची में 18 और दूसरी लिस्ट 25 सीटें ऐसी हैं, जहां भाजपा व कांग्रेस उम्मीदवार मैदान में उतार चुकी है।

दिग्गजों के सामने तगड़े प्रत्याशी क्यों!

दरअसल, दोनों पार्टियां चाहती हैं कि विपक्ष के दिग्गजों के सामने तगड़े प्रत्याशी खड़े कर हर दिग्गज को अपने ही क्षेत्र में उलझा लिया जाए, ताकि वह अन्य सीटों पर प्रचार के लिए नहीं जा सके।

बैठकों का दौर फिर हुआ शुरू

दिल्ली में भाजपा हाईकमान ने तीसरी सूची को लेकर बुधवार से बैठकों का दौर शुरू कर दिया है। इस सूची में कई सीटें ऐसी हैं, जहां पर प्रत्याशी उतारने को लेकर पार्टी तगड़े प्रत्याशी के लिए मंथन कर रही है। भाजपा में मुख्यमंत्री गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के अलावा प्रताप सिंह खाचरियावास सहित अन्य कांग्रेसी दिग्गजों के मुकाबले मजबूत प्रत्याशी उतारने की कवायद चल रही है। सूत्रों के अनुसार नड्डा,मोदी और शाह के साथ कोर ग्रुप की बैठक में कांग्रेस के दिग्गजों के सामने उतारे जाने वाले नामों पर चर्चा की जाएगी। इसके बाद सीईसी की बैठक में नाम तय किए जाएंगे।

कई मंत्रियों की सीट होगी तय

कांग्रेस के 124 प्रत्याशियों की घोषणा बाकी है। इसको लेकर कांग्रेस की स्क्रूटनी कमेटी और फिर सीईसी की बैठक होगी। इनमें भाजपा के दिग्गजों को कड़ी चुनौती वाली सीटों पर नाम तय किए जाएंगे। इस सूची में कई मंत्रियों की सीटें भी तय होंगी। इनमें लालचंद कटारिया, महेश जोशी और शांति धारीवाल शामिल हैं।

कांग्रेस का मिशन रिपीट

प्रियंका गांधी ने मोदी सरकार पर जमकर साधा निशाना

मोदी के पास देश चलाने का कोई विजन नहीं

- कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव ने झुंझुनूं के अरड़ावता में जनसभा को किया संबोधित

- महिलाओं को देंगे 10,000 सम्मान राशि: गहलोत

बेधड़क | जयपुर

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने सब कुछ अपने उद्योगपति मित्रों को दे दिया। किसानों के लिए काला कानून लाए, फिर उसे वापस लिया, लेकिन तब लिया, जब चुनाव आए। किसान सर्दी में धरने पर बैठे रहे, तब बात नहीं की। वास्तव में देश को चलाने के लिए मोदी सरकार के पास कोई विजन नहीं हैं। इस सरकार में गरीबों की सुनवाई नहीं होती।

राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में कांग्रेस के मिशन रिपीट अभियान को लेकर प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को झुंझुनूं के अरड़ावता जिले में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं आपका वोट मांगने नहीं, आपकी जागरूकता मांगने आई हूं। नेता के पास विजन होना चाहिए। जनता नेता से उम्मीद करती है। प्रियंका ने किसान आंदोलन, ईआरसीपी, बेरोजगारी, अग्निवीर स्कीम समेत कई मुद्दों को लेकर पीएम मोदी को आड़े हाथों लिया।

प्रियंका ने किया शीशराम ओला की प्रतिमा का अनावरण, नेहरू-राजीव को दी श्रद्धांजलि

प्रियंका ने पूर्व केंद्रीय मंत्री पद्मश्री शीशराम ओला की प्रतिमा का अनावरण किया। इसके बाद वे अपने पिता राजीव गांधी और पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने ईआरसीपी को लेकर कहा कि यह स्कीम 13 जिलों के लिए जीवनदायिनी है, लेकिन इस पर मोदी सरकार ने वादा खिलाफी की है। अग्निवीर स्कीम को लेकर उन्होंने कहा कि सरकार 4 साल के लिए सेना में भर्ती को लेकर अग्निवीर स्कीम लेकर आई है। युवाओं को सेना में भर्ती की उम्मीदों के बदले चार साल की यह स्कीम मिली है। चार साल बाद घर वापस आ जाएंगे। आजकल जो नौजवान मिलते हैं वह कहते हैं कि हम भर्ती नहीं होना चाहते हैं। उन्होंने ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर कहा कि मोदी सरकार के पास बड़े उद्योगपतियों के कर्ज माफ करने, खुद के लिए हवाई जहाज खरीदने और नए संसद भवन के लिए पैसे हैं, किसान और ओपीएस के लिए पैसे नहीं हैं। देश में वर्तमान में बीते 45 साल की सबसे ज्यादा बेरोजगारी हैं।

यहां नहीं चलेगा हिंदुत्व का मुद्दा

गहलोत ने कहा कि महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में आरक्षण देने की शुरुआत कांग्रेस ने ही की थी। आखिर में बीजेपी को झुकना पड़ा और महिलाओं को आरक्षण का बिल लाना पड़ा। महिलाओं को कांग्रेस ने मजबूत किया। भाजपा का राजस्थान में हिंदुत्व का मुद्दा चलने वाला नहीं है। हम विपक्ष की भी इज्जत करते हैं, क्योंकि लोकतंत्र है। भाजपा के लोग विपक्ष से नफरत करते हैं, यह सत्ता में बैठने के लायक लोग नहीं हैं।

धर्म के बूते वोट लेने की कोशिश

प्रियंका ने कहा कि जो धर्म की राजनीति चलाते हैं, उनकी जवाबदेही खत्म हो गई है। वे समझ गए हैं कि काम करने की जरूरत नहीं है, धर्म-जाति का नाम लो और वोट बटोर लो। इस सिलसिले को हटाना होगा। देवनारायण मंदिर का जिक्र करते हुए प्रियंका ने कहा कि पीएम ने मंदिर में 21 रुपए का लिफाफा डाला। ऐसी ही इनकी योजनाएं हैं। मैं तो समझ गई हूं कि मोदी का लिफाफा खाली है। इनके वादे और घोषणाएं खोखली हैं। प्रियंका ने कहा कि मोदी आकर कहते हैं कि मुझे वोट दो, लेकिन क्या वे सीएम बनेंगे?

सभी को 500 रुपए में सिलेंडर

रैली में दो बड़े चुनावी वादे किए। प्रियंका की मंच पर मौजूदगी के बीच सीएम अशोक गहलोत ने सभी को 500 रुपए में गैस सिलेंडर और महिलाओं को सालाना 10,000 रुपए सम्मान राशि के रूप में देने का ऐलान किया। गहलोत ने चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस सरकार बनने पर दो या तीन किस्तों में महिलाओं को यह सम्मान राशि देने की बात कही। वहीं, कांग्रेस ने यह भी वादा किया कि अभी तक प्रदेश के 76 लाख परिवारों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर मिल रहा है। अब यह 1 करोड़ से अधिक परिवारों को दिया जाएगा।

चुनाव में धनबल का दुरुपयोग रोकने की मुहिम

नेता हों या आम आदमी, सबके लगेज पर पुलिस की नजर

- एयरपोर्ट पर कुछ लोगों को छोड़कर सभी की वीवीआईपी सेवा होगी बंद
- विशेष रूप से प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों को किया तैनात

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में धनबल का दुरुपयोग लिए प्रदेश की पुलिस की नजर अब एयरपोर्ट, स्टेट एयर स्ट्रीट व हेलीपैड पर भी रहेगी। प्रदेश में 10 एयरपोर्ट, 19 स्टेट एयर स्ट्रिप और 118 हैलीपेड है। यहां पर आने वाले हर यात्री और राजनेताओं की पुलिस चेकिंग करेगी। इसके लिए पुलिस मुख्यालय ने ईटा से ट्रेनिंग लेकर लौटे सुरक्षाकर्मियों को तैनात कर दिया है। इसकी मॉनिटरिंग स्टेट नोडल अधिकारी आईजी विकास कुमार करेंगे। एयरपोर्ट से बाहर निकलते समय हर यात्री का लगेज चेक होगा। एयरपोर्ट पर आने वाले वीवीआईपी भी सामान्य यात्रियों के लगेज की भी चेकिंग की जाएगी। एयर स्ट्रिप व हेलीपैड की सुरक्षा की जिम्मेदारी के लिए जिला प्रशासन को अधिकृत किया गया है। यहां पर उतरने वाले विमान व हेलिकॉप्टर के लिए जिला प्रशासन से 24 घंटे पहले अनुमति लेनी होगी। दरअसल, विधानसभा चुनावों को लेकर अब राजनेताओं द्वारा जोर-शोर से प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसके लिए एक जिले से दूसरे जिले में जाने के लिए प्राइवेट जेट व हेलिकॉप्टर हायर करेंगे। ऐसे में चुनाव आयोग के निर्देशानुसार पुलिस ने ऐसे प्राइवेट जेट व हेलिकॉप्टर में आने-जाने वालों के लगेज की जांच करने की तैयारी कर ली है।

सीआईएसएफ, आर्म्ड फोर्स व स्टेट पुलिस के अधीन है एयरपोर्ट

प्रदेश में 10 एयरपोर्ट हैं। इनमें से जयपुर, जोधपुर व उदयपुर सीआईएसएफ, जैसलमेर, बीकानेर व अजमेर राजस्थान पुलिस, बाड़मेर, जोधपुर व श्रीगंगानगर आर्म्ड फोर्स व कोटा एयरपोर्ट अनकंट्रोल हैं। प्रदेश में 19 स्टेट एयर स्ट्रिप हैं। इनमें से वर्तमान में 17 चालू हैं। 17 में 4 प्राइवेट एयर स्ट्रिप राजसमंद, झुंझुनूं, टोंक और बांरा में हैं। प्राइवेट हेलीपैड व एयर स्ट्रिप को वहां तैनात जाब्ते का खर्चा वहन करना पड़ेगा।

यात्रियों का डाटा तैयार किया जाएगा

"एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों का डाटा तैयार किया जाएगा। कौन कहां से आ रहा है? इसकी जांच करके रिकॉर्ड बनाया जाएगा। सभी हेलीपैड व एयर स्ट्रिप पर भी पुलिस की निगरानी रहेगी।

विकास कुमार, स्टेट नोडल अधिकारी, पुलिस मुख्यालय

पैरालंपिक खेल: भारत ने अब तक 15 स्वर्ण सहित जीते 58 मेडल

सुमित ने अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ जीता गोल्ड

एजेंसी | हांगझोउ

गत पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने बुधवार को यहां हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों में भाला फेंक की एफ64 स्पर्धा में 73.29 मीटर का नया विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 70.83 मीटर के अपने ही विश्व रिकॉर्ड में सुधार किया जो इस साल पेरिस में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बनाया था। मौजूदा हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों में भारत ने बुधवार को 24 पदक जीते, जिनमें से 17 और सभी छह स्वर्ण एथलेटिक्स में मिले। भारत 58 पदक जीत चुका है जिसमें 15 स्वर्ण, 20 रजत और 23 कांस्य हैं।

यूएनएससी में पाक ने फिर उगला जहर

कश्मीर को बताया गाजा... भारत ने करारा जवाब दे कराई बोलती बंद

- इजराइल-गाजा स्थिति पर सुरक्षा परिषद की बैठक में उठाया गलत मुद्दा
- भारतीय अधिकारी ने पाक को दिया बार-बार गलती करने वाला करार
- यूएनएससी में फिर पाक ने कराई अपनी बेइज्जती

एजेंसी | नई दिल्ली

पाकिस्तान ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की मंगलवार को पूर्ण हुई बैठक में कश्मीर राग अलाप कर अपनी बेइज्जती कराई। दरअसल, पाकिस्तान ने इजराइल और फिलिस्तीन में जारी जंग के बीच कश्मीर का मुद्दा उठाया, जिस पर भारत ने पाकिस्तान की बोलती बंद कर दी।

यूएन में पाकिस्तान के स्थाई प्रतिनिधि मुनीर अकरम ने अनर्गल आरोप लगाते हुए कहा कि कश्मीर के लोगों का हाल भी मौजूदा समय में फिलिस्तीनियों जैसा है।

जिस तरह से इजराइल, फिलिस्तीन में लोगों की आजादी को दबा रहा है, ठीक उसी तरह से भारत भी कश्मीर में कश्मीरियों की आवाज सुनने से इनकार कर रहा है। भारत के उप स्थाई प्रतिनिधि आर रवींद्र ने मंगलवार को कहा कि वह इजराइल-गाजा स्थिति पर सुरक्षा परिषद की बैठक के दौरान पाकिस्तान द्वारा कश्मीर का जिक्र किए जाने को कोई महत्व नहीं देगा। अलबत्ता, उन्होंने करारा जवाब देते हुए पाकिस्तान को उसकी औकात याद दिला दी।

कश्मीर मेरे देश का अभिन्न अंग

इजराइल फिलिस्तीन संघर्ष पर प्रतिक्रिया देने के तुरंत बाद भारतीय अधिकारी ने पाकिस्तान को करारा जवाब देते हुए कहा कि 'मैं खत्म करूं उससे पहले मैं उस टिप्पणी का जिक्र करना चाहता हूं, जो एक प्रतिनिधिमंडल की तरफ से बिल्कुल किसी पुरानी आदत की तरह था। इसमें उन संघ शासित प्रदेशों का जिक्र था जो मेरे देश का आतंरिक और अभिन्न अंग हैं। मैं ऐसी टिप्पणियों को अवमानना का प्रयास मानता हूं और इन पर जवाब देकर इन्हें कोई सम्मान नहीं देना चाहता हूं।

क्या कहा था पाकिस्तान ने!

मुनीर अकरम ने कहा था कि सुरक्षा परिषद पर विश्व शांति को बढ़ावा देने की प्राथमिक जिम्मेदारी है। वह गाजा में नरसंहार को रोकने में विफल रही है। यह ठीक उसी तरह से जिस तरह से यह भारत के अवैध कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में नरसंहार और अत्याचार को नहीं रोक पाई है। उनकी मानें तो यह कश्मीर के लिए आखिरी समाधान का अशुभ संकेत है।

पाक के कार्यवाहक पीएम ने भी की यही बात: गौरतलब है कि महीने भर पहले पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिए अपने भाषण के दौरान कश्मीर का राग अलापा था, तब भी भारत ने पाकिस्तान को जमकर लताड़ा था। साथ ही, आरोप लगाया था कि पाकिस्तान आतंकियों को पनाह देता है। अभी तक इस देश ने 26/11 के आतंकियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है।

जरूरी खबर

डेंगू और मलेरिया पर सरकार फेल : कालीचरण सराफ

जयपुर। पूर्व चिकित्सा मंत्री कालीचरण सराफ ने चिकित्सा व्यवस्था को लकर सरकार पर हमला बोला है। कहा कि राज्य में कोविड के बाद एक बार फिर चिकित्सा व्यवस्था बेपटरी हो चुकी है। डेंगू तथा मलेरिया यहां महामारी के रूप में फैल रहा है। अस्पतालों में मरीजों की बढती संख्या के कारण ब्लड और प्लेटलेट्स की भारी कमी हो गई है। यह सब राज्य सरकार के कुप्रबंधन का नतीजा है।

अवैध खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश

जयपुर। प्रदेश में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करने को लेकर एसीएस माइंस एवं पेट्रोलियम वीनू गुप्ता ने निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अवैध खनन गतिविधियों और खनन सुरक्षा मापदंडों की पालना में किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गुप्ता ने कहा कि अवैध खनन वाले संवेदनशील इलाकों को चिह्नित कर फोकस करने के साथ ही फील्ड अधिकारियों को भी चाक-चौबंद किया जाए। निदेशक माइंस ताराचंद मीणा ने कहा कि अवैध खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ ही विभागीय मॉनटरिंग सिस्टम को सक्रिय किया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यालय स्तर पर भी अवैध खनन गतिविधियों और उनके विरुद्ध कार्रवाई की मॉनिटरिंग के लिए वरिष्ठ अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

50 सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी बहुजन मुक्ति पार्टी

जयपुर। राष्ट्रीय परिवर्तन मोर्चा के बैनरतले बहुजन मुक्ति पार्टी 50 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी, वहीं मोर्चा कुल 150 सीटों पर चुनाव लड़ेगा। कांग्रेस के इंडिया और भाजपा के एनडीए गठबंधन की तर्ज पर क्षेत्रीय दलों ने 'राष्ट्रीय परिवर्तन मोर्चा' बनाया है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी ए.के. अंबेडकर ने बताया कि इस मौके पर पार्टी का घोषणा पत्र भी जारी किया गया। यह महज घोषणा पत्र नहीं बल्कि राजस्थान के हर व्यक्ति को स्टाम्प पर इन घोषणाओं को पूरा करने का वादा किया जाएगा।

कांग्रेस का भी बढ़ रहा कुनबा: प्रियंका गांधी की मौजूदगी में ग्रहण की पार्टी सदस्यता

अब कांग्रेस की हुई शोभा, विकास और ममता भी 'घर' लौटे

बेधड़क | जयपुर

झुंझुनूं जिले में बुधवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की उपस्थिति में भाजपा से निष्काषित धौलपुर विधायक शोभा रानी कुशवाहा और किशनगढ़ से 2018 में भाजपा के प्रत्याशी रह चुके विकास चौधरी इस बार टिकट कटने से नाराज होकर कांग्रेस में शामिल हो गए।

वहीं पूर्व राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रहीं ममता शर्मा की कांग्रेस में घर वापसी हो गई। कांग्रेस के कुनबे में शामिल हुई ममता शर्मा पहले भी पार्टी के टिकट पर विधायक और कांग्रेस सरकार के समय महिला आयोग की अध्यक्ष रह चुकीं हैं।

लगातार दो चुनाव हारने के चलते 2018 में जब उनका टिकट कटा तो उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया और पीपल्दा से चुनाव लड़ा, लेकिन यहां भी उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद अब फिर से उनकी घर वापसी हुई है। वहीं भाजपा से निष्काषित शोभारानी कुशवाह ने भी कांग्रेस का दामन थाम लिया।

भाजपा से बदला लेने का समय आ गया: डोटासरा

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की चुनावी सभा में पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार ने बेहतरीन काम किया हैं। प्रदेश के विकास में सीएम अशोक गहलोत ने कोई कसर नहीं छोड़ी। डोटासरा ने कहा कि भाजपा किसान विरोधी पार्टी है, जिसने केंद्र की सत्ता में रहते हुए तीन काले कानून बनाए थे। अब 25 नवंबर को बीजेपी से बदला लेने का वक्त आ गया है। उन्होंने कहा कि 700 से ज्यादा किसानों की शहादत व्यर्थ नहीं जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस है तो किसान है। कांग्रेस और किसानों का चोली-दामन का साथ है।

सभा से पहले सीएम गहलोत का सोशल मीडिया पर संदेश

प्रियंका की सभा में सीएम गहलोत ने चुनावों से पहले कांग्रेस को रिपीट करवाने को लेकर मास्टर स्ट्रोक खेला और मंच से प्रदेश की हर महिला मुखिया को 10,000 रुपए प्रतिवर्ष और 1 करोड़ से अधिक परिवारों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने की घोषणा की। गहलोत ने प्रियंका की सभा से पहले ही सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर आह्वान किया था कि प्रदेश की महिलाएं झुंझुनूं की सभा को ध्यान से सुनें। प्रियंका गांधी महिलाओं के लिए बड़ी घोषणा करने वाली हैं। सीएम ने लिखा कि जो महिलाएं सभा में नहीं पहुंच पाईं, वे अपने मोबाइल पर फेसबुक और यूट्यूब पर प्रियंका के संबोधन को सुनें।

किसानों के लिए काले कानून लाई भाजपा: पायलट

सभा को संबोधित करते हुए पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने अपने संबोधन में केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया। पायलट ने कहा कि केंद्र की सरकार किसानों के लिए तीन काले कानून लेकर आई थी। उन तीनों कानूनों का देशभर में विरोध हुआ। देश के किसानों ने काले कानूनों के खिलाफ आंदोलन किया। पायलट ने कहा कि किसानों के सामने केन्द्र सरकार को झुकना पड़ा। उन्होंने कहा कि हाथ का निशान ही कांग्रेस की पहचान हैं।

कार्यकाल पूरा होने के बावजूद पद पर बने रहने पर जताया ऐतराज

मुख्य निर्वाचन अधिकारी से CS शर्मा को पद से हटाने की मांग

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश की मुख्य सचिव उषा शर्मा के बढ़े हुए कार्यकाल के बाद भाजपा ने उन्हें पद से हटाने को लेकर बुधवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौपा है। सीएस शर्मा को हटाने को लेकर नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के नेतृत्व में भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि प्रदेश में आचार संहिता लागू होने के बाद भी मुख्य सचिव सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर कार्य कर रहीं हैं।

पूरे मामले को लेकर नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड ने भाजपा कार्यालय में प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के निर्देशानुसार जिन अधिकारियों का सेवाकाल बढ़ाया गया है वे चुनाव संबंधित किसी भी कार्य से जुड़े नहीं रह सकते। ऐसे में प्रदेश में चुनाव के समय आचार संहिता की पालना में मुख्य सचिव की अहम भूमिका रहती है।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की ओर से जो स्क्रीनिंग कमेटी बनाई गई है उसमे पूरा नियंत्रण चेयरमैन के तौर पर मुख्य सचिव के पास ही रखा गया है। इस कमेटी में विभिन्न विभागों के अधिकारी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निष्पक्ष चुनाव को लेकर मुख्य सचिव को पद से हटाया जाना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल में राठौड़ के साथ चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रवण सिंह बगड़ी, चुनाव प्रबंधन समिति के सह संयोजक राजेन्द्र सिंह शेखावत तथा प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज शामिल रहे।

मुख्य सचिव कांग्रेस सरकार से उपकृत, पद के दुरुपयोग की संभावना

भारतीय चुनाव आयोग से करेंगे शिकायत

नेता प्रतिपक्ष राठोड़ ने कहा कि सीएस उषा शर्मा का सेवाकाल बढ़ाए जाने के कारण वे सरकार से उपकृत अधिकारी हैं। सीएस शर्मा पद पर रहते हुए निष्पक्ष कार्य नहीं कर सकतीं। उन्होंने निर्वाचन आयोग से पद का दुरुपयोग किए जाने की संभावना को लेकर भी ऐतराज जताया है। राठौड़ ने कहा कि शर्मा को कार्यमुक्त किया जाए और आचार संहिता लागू होने के बाद उनके किए गए निर्णयों को भी शून्य घोषित किया जाए। राठोड़ ने कहा कि पूरे मामले को लेकर भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त को भी ज्ञापन सौंपेगा। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि योजनाओं के बंद होने का मुख्य कारण राज्य सरकार की ओर से पर्याप्त बजट नहीं किया है।

प्रियंका वाड्रा पर कार्रवाई की मांग

प्रियंका गांधी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी पर दिए डाई बयान को लेकर कड़ा ऐतराज जताया हैं। बुधवार को झुंझूनू दौरे पहुंची प्रियंका गांधी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी को टारगेट करते हुए लिफाफे का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि केंद्र की सिर्फ खोखली घोषणाएं हैं, खाली लिफाफे हैं। ये जो भी घोषणा करते हैं उन्हें जमीन पर नहीं उतारते हैं। इस बयान को लेकर नेता प्रतिपक्ष ने चुनाव आयोग से प्रियंका गांधी पर कार्रवाई करने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष राठौड़ ने कहा कि चुनाव आयोग के स्पष्ट निर्देश है कि चुनाव प्रचार के दौरान कोई भी नेता धार्मिक आधार पर देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना पर टिप्पणी नहीं करेगा। इसके बावजूद पिछले दिनों प्रियंका वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जो टिप्पणी की थी वह आचार संहिता का उल्लंघन है। इसको लेकर चुनाव आयोग को ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन अब तक उस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। गौरतलब है कि दौसा दौरे पर पहुंची प्रियंका गांधी ने भीलवाड़ा मालासेरी की घटना का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा था, मैंने टीवी पर देखा, पता नहीं सच है या नहीं। देव नारायणजी के मंदिर में मोदी गए और दान दिया, लेकिन 9 महीने बाद जब लिफाफा खुला तो लिफाफे में 21 रुपए निकले। इस बयान को लेकर भाजपा आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए चुनाव आयोग से कार्रवाई करने की मांग कर रहीं है।

गारंटियों पर रिपीट होगी सरकार

झूठ-फरेब के झांसे में इस बार भी नहीं आएगा प्रदेश: OSD

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में विधानसभा चुनावो की सरगर्मिया तेज होते ही नेताओं की बयानबाजी और तीखे पलटवार भी शुरू हो गए हैं। बुधवार को झुंझनू में आयोजित हुई कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की सभा के बाद भाजपा नेताओं ने 2 गारंटियों पर पटलवार किया। भाजपा नेता और नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के बयान पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री गहलोत के विशेषाधिकारी और प्रदेश कांग्रेस सेंट्रल वॉर रूम के को-चेयरमैन लोकेश शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर हमला बोला।

शर्मा ने कहा कि कांग्रेस की 2 नई गारंटियों से प्रदेश में महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन को बढ़ावा मिलेगा और उनका स्वाभिमान बढ़ेगा। गौरतलब है कि झुंझुनूं की सभा में कांग्रेस की ओर से राजस्थान के 1 करोड़ से अधिक परिवारों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर और प्रदेश में परिवार की महिला मुखिया को सालाना 10 हजार रुपए देने की घोषणा की गई है। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस की ये 2 घोषणाएं राजस्थान के विकास को नए आयाम स्थापित करेंगी। शर्मा ने कहा कि प्रियंका गांधी राजस्थान आती रहती हैं। कांग्रेस लीडरशिप का राजस्थान से बीजेपी नेताओं की तरह चुनावी नहीं, बल्कि अपनेपन का गहरा नाता है। शर्मा ने नसीहत देते हुए कहा कि बीजेपी दिल्ली से आने वाले अपनी पार्टी के चुनावी पर्यटकों की बात करे।

शर्मा ने कहा कि पिछले चुनाव में ईआरसीपी पर प्रदेश की जनता को झूठा आश्वासन किसने दिया था, भाजपा नेताओं को ये याद है या फिर भूल गए? उन्होंने कहा कि लोकसभा की सभी 25 सीटें भाजपा और पीएम मोदी को देने के बाद भी राजस्थान वासियों को जो निराशा मिली है, उसे प्रदेशवासी कभी नहीं भूलेंगे। इसलिए झूठे सब्जबाग दिखाने वालों, वादा करके न निभाने वालों के झांसे में राजस्थान न पिछली बार आया था और ना ही इस बार आएगा।

निजी लॉकर धारक ने नोटिस देने पर जताई आपत्ति

अधिवक्ता सुनील ने आयकर विभाग के खिलाफ एचसी में दाखिल की याचिका

बेधड़क | जयपुर

राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा के निजी लॉकर्स में 500 करोड़ का काला धन और 50 किलो सोना जमा होने के आरोपों के बाद शुरू हुई आयकर सर्वे की कार्रवाई से परेशान अजमेर के एक अधिवक्ता ने आयकर विभाग की कार्रवाई को लेकर राजस्थान उच्च न्यायालय की जयपुर बेंच में याचिका दायर की है।

इस याचिका में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंह ने भारत सरकार के वित्त सचिव, आयकर अधिकारियों के साथ सांसद किरोड़ी लाल मीणा और लॉकर संचालन करने वाली कम्पनी को भी पक्षकार बनाया है। याचिकाकर्ता सुनील कुमार सिंह का आरोप है कि गत कई दिन से हो रही इस कार्रवाई के बावजूद आयकर अधिकारियों के हाथ ज्यादा कुछ हाथ नहीं लग पाया है। इसके बावजूद निजी लॉकर कम्पनी से सेवाएं लेने वाले लोग परेशान हो रहे हैं। सिंह ने कहा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने निजी लॉकर में काले धन को लेकर जो बयान दिया वह राजनीतिक नाटक के अलावा कुछ नहीं। उन्होंने आयकर अधिकारियों के नोटिस देने व इस नोटिस के बाद दबाव बनाने को लेकर भी याचिका में कड़ी टिप्पणियां की। उन्होंने बताया कि अजमेर के अधिवक्ताओं में सर्वाधिक आयकर चुकाने वाला करदाता होने के बावजूद विभाग की ओर से अकारण भेजे गए नोटिस के विरोध में उच्चाधिकारियों को शिकायती पत्र भेजा। इससे कुंपित हुए आयकर उन पर दबाव बनाया।

याचिका में लगाए ये आरोप

उच्च न्यायालय में पिछले दिनों पेश की अपनी याचिका में सिंह ने आरोप लगाए कि नोटिस की अनुपालना में पेश होने पर उनसे 19 अक्टूबर को छह घंटे लम्बी पूछताछ के बाद रात 11 बजे छोड़ा गया। सिंह का आरोप है कि इस पूछताछ में भी कई अनावश्यक सवाल किए गए, जिनका उनके दोनों लॉकर्स से कोई संबंध ही नहीं था। बयानों की प्रति मांगे जाने के बावजूद देने से ही इनकार कर दिया।

समाज की खाई पाटने का काम करेगा ब्रह्म शक्ति संघ

चुनाव में सामाजिक वैमनस्यता खत्म करने का चलेगा अभियान

बेधड़क | जयपुर

आगामी विधानसभा चुनाव के माध्यम से स्वर्ण जातियों व आरक्षित समाज के मध्य में वैमनस्यता कम करने और मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए ब्रह्म शक्ति संघ अभियान चलाएगा। ब्रह्म शक्ति संघ की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता में संघ के संयोजक सुनील मुद्गल ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों से समाज को बांटने की कोशिश की जा रही है।

यह संपूर्ण हिंदू समाज के लिए घातक है। हिंदू विरोधी ताकते मीम और भीम के नाम पर दलित व गैर दलित समाज के बीच में नफरत बढ़ाने का काम कर रही हैं। मुद्गल ने बताया कि विधानसभा चुनाव में जितनी भी आरक्षित सीट हैं, उन पर ब्रह्म शक्ति संघ उन उम्मीदवारों का समर्थन देगा जो समाज की वैमनस्यता को खत्म करने के लिए स्वर्ण जातियों के हितों के लिए आवाज उठाएंगे। ब्रह्म शक्ति संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल द्विवेदी जी ने बताया कि विधानसभा चुनाव में मतदान के प्रतिशत को बढ़ाने के लिए संघ एक अलग से कैंपेन चलाएगा।

प्रत्येक बूथ पर ज्यादा से ज्यादा वोटिंग हो, इसके लिए ब्रह्म शक्ति संघ खुद की तरफ से परिवहन व्यवस्था करेगा। संघ की ओर से संपूर्ण राजस्थान में मतदान के लिए जागरूकता का कैंपेन भी चलाया जाएगा। इस अवसर पर मतदान जागरूक अभियान के लिए प्रदेश महामंत्री कुलदीप सुरोलिया, जयपुर युवा अध्यक्ष साहिल शर्मा और दीपक गॉड को प्रभारी नियुक्त किया गया। पूरे प्रदेश में मतदाता जागरूक अभियान चलाया जाएगा।

प्रियंका के दौरे पर भाजपा का पलटवार

कांग्रेस की योजनाएं 'थोथा चना बाजे घना' सिद्ध होने वाली: जोशी

बेधड़क | जयपुर

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के झुंझुनूं दौरे को लेकर भाजपा हमलावार हो गई है। भाजपा के नेताओं और पार्टी पदाधिकारियों ने जनसभा के दौरान प्रियंका और सीएम अशोक गहलोत के भाजपा को लेकर दिए गए बयानों पर पलटवार किया है।

प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि कांग्रेस की योजनाएं पिछले चुनावों की घोषणाओं की तरह 'थोथा चना बाजे घना' की तरह सिद्ध होने वाली हैं। पिछली बार राहुल गांधी 1 से 10 तक गिनती गिनने जितने दिनों में किसानों के कर्ज माफी का झूठा वादा किया था। इस बार ऐसे झूठे वादे करने के लिए प्रियंका वाड्रा को भेजा है, लेकिन जनता सब जानती है, इनके किसी झांसे में आने वाली नहीं। जोशी ने कहा कि प्रियंका वाड्रा लिफाफों की बात करती हैं।

कांग्रेस पार्टी खुद भ्रष्टाचार का लिफाफा है। इसमें काला धन भरा हुआ है, लेकिन यह जनता के लिए खाली है। राजनीति में इनका लक्ष्य जनता की सेवा नहीं, सिर्फ लिफाफा प्राप्त करना रहा है। जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री पर 21 रुपए के लिफाफे के झूठे आरोप लगाने वाली प्रियंका वाड्रा उनकी देवनारायण भगवान के प्रति भक्ति पर टिप्पणी करके सनातन धर्म का अपमान कर रही है।

प्रियंका वाड्रा ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाए कि उनका लिफाफा खाली है। केंद्र सरकार जनता को राहत देने के लिए चुनावों का इंतजार नहीं करती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में जिन योजनाओं का शिलान्यास हुआ उनका लोकार्पण भी उन्होंने किया है।

प्रियंका महिला सुरक्षा की गारंटी दे: अल्का गुर्जर

भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री अल्का गुर्जर ने कांग्रेस नेता कहा कि प्रियंका वाड्रा ने राजस्थान में महिला अत्याचार पर एक बार भी बात नहीं की। जबकि उन्हें सबसे पहले यहां पर महिलाओं को सुरक्षा की गारंटी देनी चाहिए थी। यहां एक 14 वर्षीय बालिका को गैंगरेप के बाद जिंदा ही भट्टी में जला दिया जाता है उस समय प्रियंका गांधी को यहां आकर देखना चाहिए था, लेकिन वे नदारद रहीं। उन्होंने कहा कि प्रियंका वाड्रा यदि कोई गारंटी ही देना चाहती है तो राज्य की महिलाओं को इस बात की गारंटी दे कि कांग्रेस के गिनती के बचे हुए शासन काल में महिलाओं पर अत्याचार नहीं होंगे। यहां महिलाएं सुरक्षित रहेंगी। गुर्जर ने शांति धारीवाल के बयान को लेकर प्रियंका को घेरते हुए कहा कि धारीवाल बलात्कार मामले बढ़ने पर कहते हैं कि राजस्थान मर्दों का प्रदेश है। उन्हें पहले अपनी ही विधायक दिव्या मदेरणा को सुरक्षा की गारंटी देनी चाहिए थी। उन्हें कांग्रेस पार्टी की सरकार के पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढा के सवाल का जवाब देना था कि प्रदेश में महिलाएं सुरक्षित नहीं है।

नकदी संभालने जातीं है क्या प्रियंका: राठौड़

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि प्रियंका वाड्रा राजनीतिक पर्यटन डिविजन झुंझुनू आई हैं। महिला सुरक्षा को लेकर ये लोग गिद्ध राजनीति करते हैं। राजस्थान के बाहर जब कोई महिला अपराध होता है तब ये लोग जमकर मीडिया में बयानबाजी करते हैं, लेकिन जैसे ही राजस्थान का बॉर्डर आता है इनकी जुबान पर ताला लग जाता हैं। पूरे पांच साल कांग्रेस सरकार के विधायक और मंत्री अपनी ही सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते रहे और सवाल पूछते रहे, लेकिन प्रियंका वाड्रा ने एक बार भी अपनी सरकार से इस बारे में नहीं पूछा। उन्होंने कहा कि जिस तरह योजना भवन में 2.31 करोड़ की नकदी और सोना मिलता है, लेकिन पता नहीं लगता ये सोना और नकदी किसका है, और कहां से आया है। मैं प्रियंका वाड्रा से सवाल पूंछना चाहता हूं कि वे बार-बार सवाईमाधोपुर जाती हैं, क्या वहां भी ऐसी कोई अलमारी है जिसमे नकदी और सोना रखा है, जिसे संभालने वे बार बार वहां जाती हैं?

जरूरी खबर

जयपुरिया में सर्वर डाउन, मरीजों की नहीं कट पाई पर्ची

जयपुर। राजधानी के जयपुरिया हॉस्पिटल में बुधवार को सर्वर डाउन होने के कारण मरीजों और परिजनों को ईलाज में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जांच और ओपीडी की पर्चियां नहीं कटने से हॉस्पिटल का सारा कामकाज ठप हो गया। हजारों मरीज लाइन में लगे रहे और सर्वर शुरू होने का इंतजार करते रहे। दरअसल जयपुरिया हॉस्पिटल में सुबह करीब 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक सर्वर नहीं चलने की समस्या हो गई। इससे मरीज बिना डॉक्टर को दिखाए और जांच करवाए ही लौट गए। ज्यादा परेशानी इमरजेंसी के मरीजों को हुई इनके जांच के बिल नहीं कट सके। अस्पताल प्रबंधन ने मरीजों को मैन्युअली ओपीडी पर्ची कटवाकर दिखवाया तथा करीब इसका समय 1 घंटे तक बढ़ाया।

करधनी इलाके में गोली मारकर युवक की हत्या

जयपुर। करधनी इलाके में बुधवार को एक युवक की गोली मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है। करधनी थाना इलाके में बुधवार सुबह बाइक सवार होकर आए दो बदमाशों ने युवक के पेट में गोली मारकर हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रथम दृष्टयता घटना को एक्सीडेंट मानकर जांच शुरू की, लेकिन पड़ताल करने पर सीसीटीवी कैमरों के फुटेज में गोली मारने की बात सामने आई। थानाप्रभारी उदय सिंह यादव ने बताया कि मृतक की शिनाख्त वैशाली नगर निवासी आशीष कुमावत के रूप में हुई है। मृतक का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। थाना प्रभारी यादव ने बताया कि मृतक के भाई ने कुछ लोगों के खिलाफ नामजद हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस हत्या मामले की जांच कर जल्द ही दोषियों को पकड़ेगी।

आयकर अधिकारियों ने खोले 10 और लॉकर्स, 92 लाख 50 हजार की नकदी जब्त

गणपति के निजी लॉकरों से निकला 2.25 करोड़ का सोना

बेधड़क | जयपुर

गणपति प्लाजा के निजी वॉल्ट के लॉकर्स में छिपे धन को लेकर 12 दिन पूर्व शुक्रवार 14 अक्टूबर को शुरू हुई आयकर सर्वे की कार्रवाई बुधवार को भी जारी रही।

बुधवार को आयकर अधिकारियों ने तीन लॉकरों में से दो करोड़ 25 लाख वर्तमान बाजार मूल्य का 3733 ग्राम सोना व आभूषण और 92 लाख 50 हजार की नकदी को जब्त किया है। विभागीय अधिकारी अब तक यहां से 5.16 करोड़ से अधिक नकदी व 4133 ग्राम सोना व आभूषण जब्त कर चुके हैं। जब्त की गई सम्पत्तियां पांच लॉकरों में से निकली, शेष 9 लॉकर्स में कुछ खास नहीं मिला। आयकर सर्वे की कार्रवाई यहां फिलहाल जारी है।

संदिग्ध लॉकर धारकों की संख्या अब 84

विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार संदिग्ध समझे जाने वाले लॉकर धारकों में अब भी कई ऐसे लॉकर धारक हैं, जो आयकर नोटिसों की अनदेखी कर रहे हैं। इस अनदेखी के कारण विभाग का शक और गहरा रहा है। उधर, कुछ कथित संदिग्ध लॉकर धारकों ने अपनी समस्याएं बताते हुए विभाग से लॉकर खोलने और इसकी जांच कराने की निर्धारित समय सीमा को और बढ़ाने का आग्रह भी किया गया है। विभागीय अधिकारी इस मामले में फिलहाल लचीला रुख अपना रहे हैं। बताया जाता है कि कुछ मामलों में लॉकर धारक के आग्रह भी स्वीकार किए गए हैं, लेकिन यह भी सीमित समय के लिए ही है। उधर, विभागीय अधिकारियों ने कुछ और संदिग्ध लॉकर धारकों को चिन्हित कर उन्हें भी लॉकर खोलने व इनकी जांच कराने के संबंध में नोटस दिए हैं, इसके साथ ही संदिग्ध लॉकर धारकों को भेजे गए नोटिस की संख्या अब 84 हो गई।

लॉकर की जांच के लिए खुद पहल करें संचालक

सूत्रों का कहना है कि गणपति प्लाजा स्थित निजी लॉकर कम्पनी के लॉकर्स से लगातार निकल रही नकदी और सोने के कारण विभाग का शक और गहरा रहा है। संभव है विभाग सर्वे कार्रवाई के बाद अब तक नहीं खोले गए सभी लॉकर धारकों को जांच कराने के संबंध में नोटिस जारी करें। आयकर अधिकारियों का कहना है कि गणपति प्लाजा स्थित निजी लॉकर संचालक, रोयरा सेफ्टी वॉल्ट के लॉकर्स में जारी आयकर सर्वे के बावजूद यहां लॉकर मालिकों के लॉकर संचालन पर कोई रोक नहीं है, लेकिन यहां हो रही कार्रवाई के दौरान अपवादों को छोड़कर ही कुछ लॉकर संचालित हुए है, जिससे संदेह गहरा रहा है। ऐसे में लॉकर धारकों को आयकर विभाग के नोटिस का इंतजार नहीं करना चाहिए और लॉकर में रखी मूल्यवान वस्तुओं की जांच के लिए खुद पहल करनी चाहिए। आयकर सर्वे की कार्रवाई बुधवार देर रात तक जारी रही।

कलेक्टर के आदेश: 30 अक्टूबर से 6 नवंबर तक भरे जाएंगे फार्म

सांगानेर-आमेर के वहीं तो शहर के कलेक्ट्रेट में लिए जाएंगे पर्चे

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा चुनाव-2023 की रणभेरी बजने के साथ ही अब चुनावी युद्ध लड़ने के लिए उम्मीदवारों के नामांकन भरने की तारीख नजदीक आ गई है। आगामी 30 अक्टूबर से नामांकन प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। इसके लिए 8 विधानसभा क्षेत्रों के जिला कलक्ट्रेट में, बाकी के 11 क्षेत्रों के संबंधित रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय में नामांकन पत्र लिए जाएंगें। राजधानी जयपुर शहर की 10 सीटों में से 2 सीटें सांगानेर व आमेर विधानसभा क्षेत्रों के नामांकन अबकी बार संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के उपखंड ऑफिस में लिए जाएंगे। साथ ही कोटपूतली, विराटनगर, शाहपुरा, चौमूं, फुलेरा, दूदू, जमवारामगढ़, बस्सी और चाकसू के नामांकन पत्र संबंधित उपखंड अधिकारी ऑफिस में भरे जाएंगें। बाकी शहर की झोटवाड़ा, किशनपोल, हवामहल, विद्याधर नगर, आदर्श नगर, बगरू, सिविल लाईन्स, किशनपोल व मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्रों के उम्मीदवारों के नामांकन पत्र जिला कलेक्ट्रेट में भरे जाएंगे।

सुबह 11 से 3 बजे तक लिए जाएंगे फार्म

जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि नामांकन पत्र 30 अक्टूबर से 6 नवंबर तक समस्त कार्य दिवसों को सुबह 11 बजे से दोपहर 03 बजे तक प्राप्त किए जाएंगे। इसमें रविवार, 05 नवंबर को नामांकन पत्र प्राप्त नहीं किए जाएंगे। इस तरह 7 दिन उम्मीदवारों को नामांकन भरने का पूरा 7 दिन का समय मिलेगा। उन्होंने बताया कि नामांकन प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के लिए कलेक्ट्रेट परिसर में नामांकन प्राप्त करने वाले रिटर्निंग अधिकारी के निर्धारित कक्ष में प्रवेश के लिए मेन गेट एवं चैनल गेट तय कर दिए गए हैं। नामांकन पत्र प्रस्तुतीकरण, समीक्षा एवं नाम वापसी के दौरान संबंधित रिटर्निंग अधिकारी, कानून व्यवस्था प्रकोष्ठ तथा पुलिस विभाग द्वारा समुचित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

विधानसभा वाइज नामांकन स्थान

झोटवाड़ा : इस विधानसभा क्षेत्र के लिए कलेक्ट्रेट भवन स्थित कमरा नंबर 19 में नामांकन लिए जाएंगें।

हवामहल: इस विधानसभा क्षेत्र के लिए कमरा नंबर 20 में नामांकन लिए जाएंगें। झोटवाड़ा व हवामहल विधानसभा क्षेत्रों के लिए प्रवेश के लिए मेन गेट संख्या 4 एवं चैनल गेट संख्या 5 तय किया गया है।

आदर्श नगर : इस विधानसभा क्षेत्र के लिए कमरा नंबर 26 में नामांकन पत्र लेंगे। प्रवेश के लिए मेन गेट संख्या 3 एवं चैनल गेट संख्या 4 तय किया गया है।

विद्याधर नगर: इस विधानसभा क्षेत्र के लिए कमरा नंबर 58 में नामांकन पत्र लिए जाएंगे। प्रवेश के लिए मेन गेट संख्या एवं चैनल गेट संख्या 4 तय किया गया है।

बगरू: इस विधानसभा क्षेत्र के लिए कमरा नंबर 46 में नामांकन लिए जाएंगें।

सिविल लाइंस: इस विधानसभा क्षेत्र के लिए कमरा नंबर 48 में नामांकन तथा प्रवेश के लिए मेन गेट एवं चैनल गेट संख्या 3 तय किये गए हैं।

किशनपोल: इस विधानसभा क्षेत्र के लिए कमरा नंबर 69 में नामांकन स्वीकारे जाएंगें।

मालवीय नगर: विधानसभा क्षेत्र के लिए कमरा नंबर 73 में नामांकन पत्र तथा विधानसभा क्षेत्रों के लिए प्रवेश के लिए मेन गेट एवं चैनल गेट संख्या 2 तय किये गए हैं। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि शेष 11 विधानसभा क्षेत्रों के लिए नामांकन संबंधित रिटर्निंग अधिकारी द्वारा अपने कार्यालय में निर्धारित कक्षों में प्राप्त किए जाएंगे।

मतदान दिवस 25 नवंबर को रहेगा अवकाश

आगामी विधानसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान दिवस 25 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने कहा कि सामान्य प्रशासन विभाग के 17 अक्टूबर को जारी आदेश की अनुपालना में जिले के समस्त विधानसभा क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि जिले के समस्त विधानसभा क्षेत्र स्थित कार्यालयों में पराक्रम्य लिखित अधिनियम, 1881 के तहत अवकाश रहेगा। वहीं, श्रम विभाग द्वारा 13 अक्टूबर को जारी आदेश के तहत जिले के समस्त विधानसभा क्षेत्र स्थित निजी या सार्वजनिक प्रतिष्ठानों, दुकान, औद्योगिक उपक्रम या कारोबार, व्यवसाय में कार्यरत कामगारों को मतदान दिवस का सवैतनिक अवकाश देय होगा।

ACB कर रही है मामले की जांच

रिश्वत मामले में भट्टा बस्ती थाने का CI लाइन हाजिर

बेधड़क | जयपुर

भट्टा बस्ती थाने के सीआई राजेन्द्र खंडेलवाल को जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बुधवार को लाइन हाजिर कर दिया। गौरतलब है कि एसीबी ने रेप मामले में कार्रवाई नहीं करने की एवज में 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए सीआई के रीडर और एक हेड कॉन्स्टेबल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद एसीबी के अधिकारियों ने सीआई भट्टा बस्ती राजेन्द्र खंडेलवाल से भी रिश्वत कांड को लेकर पूछताछ की थी। एसीबी ने सोमवार को रिश्वत लेते समय हेड कॉन्स्टेबल (रीडर) संजय कुमार और हेड कॉन्स्टेबल बुद्धाराम को पकड़ा था। जानकारी के अनुसार रिश्वत का आरोपी संजय कुमार सीआई का रीडर लगा हुआ था। संजय ने दुष्कर्म के मामले में कार्रवाई नहीं करने के लिए एसएचओ के नाम से ही रिश्वत मांगी थी। ऐसे में एसीबी एसएचओ की भूमिका की जांच करने में जुटी हुई है। पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बुधवार को बताया कि कमिश्नरेट में किसी भी पुलिस अधिकारी की घूसखोरी और अपराधियों से मिलीभगत बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस की छवि स्वच्छ रहनी चाहिए। इसलिए सीआई को लाइन हाजिर किया गया है। वहीं, एसीबी ने दोनों हेड कॉन्स्टेबल को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया था, जहां से दोनों को कोर्ट ने जेल भेज दिया।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खबर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें ।

स्कूली शिक्षा विभाग का नवाचार, शनिवार को 'नो बैग डे'

स्कूलों में बताएंगे 'गुड टच बैड टच'

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश के 65 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में 'सुरक्षित स्कूल सुरक्षित राजस्थान' अभियान के तहत शनिवार को 'नो बैग डे' मनाया जाएगा। नो बेग डे पर स्कूलों में स्टूडेंट्स को असुरक्षित स्पर्श के बारे में बताया जाएगा। शनिवार को आयोजित होने वाला नो बैग डे का दूसरा चरण होगा। इसके तहत एक ही दिन में एक निश्चित समय पर सभी बच्चों को स्कूलों के स्तर पर तैयार किए गए मास्टर ट्रेनर्स विशेष प्रशिक्षण देंगे। स्कूल शिक्षा विभाग

के शासन सचिव नवीन जैन ने बताया कि विशेष रूप से तैयार इस ट्रेनिंग मॉड्यूल के तहत बच्चों को बैड टच की स्थिति में चिल्लाते हुए 'नो' बोलकर उस स्थान या व्यक्ति से सावधानी के साथ दूर भागने और इसके बारे में बिना किसी डर या घबराहट के किसी बड़े या जिस पर उनको सबसे ज्यादा भरोसा हो, को इसके बारे में बताने की 'नो-गो-टैल की थ्योरी सिखाई जाती है। शिक्षा विभाग के इस अभियान से स्कूली बच्चों के यौन शोषण के मामलों में गिरावट आएगी। गौरतलब है कि बच्चों के साथ परिवार, रिलेशन और करीबी लोगो द्वारा यौन शोषण किया जाता है, लेकिन जागरूकता के अभाव में बच्चे इसका विरोध नहीं कर पा रहे थे।

एसएमएस में अलग से दवा वितरण केंद्र की शुरुआत

एक जगह मिलेंगे महंगे सर्जिकल आइटम्स

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश के सबसे बड़े एसएमएस अस्पताल में भर्ती मरीजों के ईलाज को बेहतर बनाने के लिए अस्पताल प्रशासन ने नई व्यवस्था कायम की है। इसके तहत भर्ती मरीजों को ईलाज के दौरान महंगे सर्जिकल आईटम्स वार्ड में बेड पर अब जल्दी मिल सकेंगे।

इसके साथ ही अस्पताल प्रशासन की तरफ से इन आईटम्स के उपयोग की नियमित निगरानी की जा सकेंगी, इससे इन महंगे आईटम्स के उपयोगिता में धांधली व दुरूपयोग नहीं हो सकेगा। दरअसल एसएमएस अस्पताल प्रशासन ने मुख्यमंत्री निशुल्क निरोगी राजस्थान योजना के तहत मरीजों के ईलाज में काम आने वाले महंगें सर्जिकल आईटम्स के लिए दस दिन पहले एक डेडीकेटेड दवा वितरण केंद्र (डीडीसी) केंद्र को अधिकृत किया है। यह डीडीसी एसएमएस अस्पताल की मेन बिल्डिंग में ग्राउंड फ्लोर पर नर्सिंग अधीक्षक कमरे के सामने 2 नंबर डीडीसी नाम से है। यहां पर 24 घंटें वार्डों से आने वाले सर्जिकल आईटम्स के इंडेंट की आपूर्ति की जाएगी। इसका ऑनलाईन व ऑफलाईन रिकॉर्ड संधारण किया जाएगा।

खास बात यह है कि इस डीडीसी पर महंगे सर्जिकल आईटम्स की आपूर्ति की जाएगी। इनकी कीमत दो हजार से लेकर कई हजारों तक की कीमत है। जो बाकायदा आरएससीएसएल से आपूर्ति में सेंपल चेक होकर मिले हैं।

> "एसएमएस अस्पताल में सर्जिकल आईटम्स की आपूर्ति के लिए एक अलग से 2 नंबर डीडीसी को अधिकृत कर दिया गया है। अब पूरे अस्पताल में यहीं से सर्जिकल आईटम्स की आपूर्ति होगी। इससे मरीजों के ईलाज के समय में कमी तथा सामान की उपयोगिता की बेहतर मॉनिटरिंग हो सकेगी।
> **डॉ. प्रदीप शर्मा,** अतिरिक्त अधीक्षक, एसएमएस अस्पताल, जयपुर

आचार संहिता के दौरान पुलिस कमिश्नरेट की सख्ती

सवा करोड़ रुपए की अवैध शराब, ड्रग्स, नकदी और जेवरात जब्त

मात्र 15 दिनों में आयुक्तालय की बड़ी कार्रवाई

बेधड़क | जयपुर

जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने आचार संहिता लगने के बाद सख्ती दिखाई हैं। प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव-2023 को लेकर पुलिस मतदाताओं तक पहुंचने वाली अवैध सामग्री का जब्त करने में जुटी हुई हैं।

पुलिस कमिश्नरेट जयपुर ने आचार संहिता लगने से अब तक लगभग 1.25 करोड रुपए मूल्य की अवैध शराब, ड्रग्स, नकदी व महंगी धातु जब्त की है। मात्र 15 दिनों में आयुक्तालय ने जब्ती की यह रिकॉर्ड कार्रवाई की है।

20 गैर लाइसेंसी हथियार पकड़े

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए आयुक्तालय पुलिस पूरी सजगता और मुस्तैदी के साथ कार्रवाई की जा रही है। 9 अक्टूबर से अब तक लगभग 12 लाख रुपए मूल्य की अवैध शराब, 52 लाख रुपए से अधिक मूल्य की ड्रग्स, 23 लाख रुपए मूल्य के सोने चांदी व अन्य आभूषण, 14 लाख रुपए नकद और 21 लाख रुपए मूल्य की अन्य वस्तुएं जब्त की गई हैं। जोसफ ने बताया कि इसी तरह इस अवधि में 20 गैर लाइसेंस हथियार, 17 कार्टेज भी पकड़ी गई हैं।

3603 लाइसेंसशुदा हथियार जमा करवाएं, पांच हजार लोग पाबंद

कमिश्नर ने बताया कि अब तक 3603 लाइसेंसशुदा हथियार जमा करवाए जा चुके हैं। वहीं गत दिनों में 5 हजार से ज्यादा लोगों पर निरोधात्मक व पाबंदी की कार्रवाई की गई हैं वहीं 1 अपराधी के विरुद्ध राजपासा की और 8 के खिलाफ गुंडा एक्ट के इस्तगासे पेश किए गए हैं। वहीं 6 गुण्डों को तड़ीपार किया गया। इसके साथ ही 3 हजार 352 गैर जमानती वारंटों का निस्तारण भी किया जा चुका हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2023 में अब तक लगभग 2 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध शराब, लगभग 9 करोड़ रुपए मूल्य की ड्रग्स, लगभग 5.50 करोड़ रुपए मूल्य के सोने चांदी व अन्य आभूषण, 71.38 लाख रुपए नगद और 81 लाख रुपए मूल्य की अन्य वस्तुएं जप्त की गई हैं। साथ ही 46 हजार 113 लोगों पर निरोधात्मक व पाबंदी की कार्रवाई और 7 अपराधियों के विरुद्ध राजपासा की कार्रवाई और 74 गुण्डा एक्ट के इस्तगासे पेश किये गए। साथ ही 79 गुण्डों को तड़ीपार किया गया।

रोजाना दो घंटे औचक निरीक्षण और बढ़ाई जाएगी सख्ती

> "स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए पुलिस आयुक्तालय पूरी तरह कटिबद्ध है। आयुक्तालय द्वारा अवैध जब्ती के लिए 64 स्थानों पर प्रतिदिन 2 घंटे की औचक चैकिंग की जा रही है, 2 घंटे की औचक चैकिंग के दौरान 11 अक्टूबर से अब तक 28 हजार 567 संदिग्ध वाहनों को चैक कर 2140 वाहनों का चालान, 69 वाहनों को 185 एमवी एक्ट में जप्त, 1364 वाहनों को 207 एमवी एक्ट में जप्त किया गया। साथ ही 57 अन्य कार्रवाई कर 8,35,500 रुपए जप्त किये गये। आयुक्तालय क्षेत्र में रात्रि 11 बजे से 5 बजे तक लगभग 40 नाकों पर वाहनों की चैकिंग की जा रही है। आगामी दिनों में चैकिंग की समयावधि को बढ़ाकर जब्ती की कार्रवाई को और भी कड़ी की जाएगी। इससे सख्ती बढ़ेगी।
> **बीजू जॉर्ज जोसफ,** पुलिस कमिश्नर, जयपुर

जरूरी खबर

2.5 किलो गांजा पकड़ा, दो आरोपी गिरफ्तार

सिरोही। जिले की पिंडवाड़ा पुलिस ने 2.5 किलो गांजा जब्त कर 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार जनापुर चौराहा हाईवे पर नाकाबंदी की गई थी। इस दौरान उदयपुर पुलिया की तरफ से पैदल आ रहे अविनाश शर्मा तथा दिलीप कुमार के पास कट्टे में 2.5 किलो गांजा मिला। इस पर मादक पदार्थ जब्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने एनडीपीसी एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शूरू कर दी गई है।

बीसलपुर बांध से नहरों में पानी छोड़ने की मांग

टोंक। कृषि मंडी प्रांगण में बुधवार को बीसलपुर बांध से नहरों में पानी छोड़ने की मांग को लेकर किसान सभा का आयोजन किया गया। इसमें किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने कहा कि वर्तमान में बिसलपुर बांध 80 प्रतिशत पानी से भरा हुआ है। इसमें किसानों के हिस्से में 6.42 टीएमसी पानी आता है, फिर भी अधिकारी किसानों के हक के पानी पर डाका डाल रहें हैं। किसान यह अन्याय नही सहेगा। राष्ट्रीय महासचिव अकबर खान ने कहा कि जब बिसलपुर बांध के निर्माण के लिए वर्ल्ड बैंक से कर्जा लिया गया था तो उस समय यह तय हुआ था कि बांध के पानी पर पहला हक किसानों का होगा। सभा के बाद तहसीलदार को जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर किसान युवा अध्यक्ष रामेश्वर चौधरी, किसान नेता रतन खोखर, भरत राज चौधरी, जगदीश गुर्जर आदि मौजूद थे।

राजस्थान पावर लिफ्टिंग एसो. की कार्यकारिणी घोषित

टोंक। राजस्थान पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के सचिव सत्यनारायण माली ने जिले की कार्यकारिणी घोषित करते हुए रईस अहमद को अध्यक्ष, जसवंत सिंह सचिव एवं सैयद जिशान अली को कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है। संघ के सचिव जसवंत सिंह ने बताया कि टोंक में आगामी कुछ दिनों में कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए जिला स्तर पर एक प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। सचिव ने बताया कि संघ की कार्यकारिणी गठित होने से पावर लिफ्टिंग गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

पुष्कर मेले को लेकर पशु पालकों की बैठक आयोजित, 16 से 20 नवंबर तक होंगे कई मुकाबले

ऊंट, घोड़े और नागौरी बेलों के साथ भैंस भी दिखाएगी करतब

बेधड़क | अजमेर

पुष्कर पशु मेले में इस बार घोड़े, ऊंट और बेलों के साथ भैंस की भी प्रतियोगिता होगी। ऐसे में पर्यटकों को भैंस के भी करतब देखने को मिलेंगे। मेले में पशु प्रतियोगिताएं आयोजित कराने को लेकर बुधवार को पशुपालकों एवं अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। इसमें पशु पालकों को मिले से संबंधित जानकारी दी गई। पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. नवीन परिहार ने बताया कि पुष्कर पशु मेले में होने वाली पशु प्रतियोगिताओं का आयोजन 16 से 20 नवम्बर तक किया जाएगा। राजकीय कुक्कुट प्रशिक्षण संस्थान शास्त्री नगर में पुष्कर पशु मेले में होने वाली पशु प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए विभागीय कार्यक्रम से अवगत कराने तथा सुझाव आमंत्रित करने के लिए पशुपालकों एवं आयोजन से जुड़े अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई।

इसमें अजमेर के 29 प्रगतिशील पशुपालकों ने भाग लिया। इसके लिए पशुपालकों से सुझाव आमंत्रित किए गए। पशुपालकों ने पूर्व मेलों की भांति विभागीय व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से करने के लिए सुझाव दिए।

पहले दिन 3 बजे तक होंगे रजिस्ट्रेशन

मेले से जुड़े डॉ. मनोज माथुर ने पशुपालकों को जानकारी देते हुए बताया कि 16 नवम्बर को दोपहर 3 बजे तक गीर प्रर्दशनी स्थल पर प्रतियोगिता में भाग लेने वाले पशुपालकों एवं उनके पशुओं का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। इसी दिवस शाम को गीर प्रदर्शनी का उद्घाटन होगा। दुग्ध प्रतियोगिताएं 16 से 18 नवम्बर तक एवं शो-चैंपियन पशु का चयन प्रतियोगिताएं 19 नवम्बर को आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि पशुओं की पूर्व निर्धारित समूहों में ही चयन प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी।

सीधे खाते में जाएगी इनाम की राशि

डॉ. सुनिल घीया ने पशुपालकों को बताया कि पंजीकरण के समय समस्त पशुपालक अपने बैंक खाते की पास बुक के प्रथम पेज की छायाप्रति भी जमा करवाएंगे। इससे इनाम राशि का भुगतान सीधा उनके खाते में किया जा सकेगा। प्रतियोगिता में गीर नस्ल, संकर, हालिस्टिन, संकर जर्सी सहित भैंस वंश की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएगी। साथ ही अश्व वंश, उष्ट्र वंश एवं नागौरी बैलों की प्रतियोगिताएं भी होंगी।

विरोधी पक्ष को हत्या के मामले में फंसाने के लिए उतारा मौत के घाट

साजिश के तहत ट्रैक्टर से कुचल युवक की सगे भाई ने ली जान

बेधड़क | भरतपुर

जिले के थाना सदर बयाना अंतर्गत गांव अड्डा में जमीनी विवाद को लेकर सगे भाई ने ही युवक को ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या कर दी। युवक को आरोपी तक तक ट्रैक्टर से कुचलता रहा जब तक की उसकी सांस नहीं थम गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक युवक के परिजनों ने विरोधी पक्ष को हत्या के मामले में फंसाने और खुद के मुकदमे को मजबूत बनाने के लिए साजिश रची। इसके तहत मृतक युवक के सगे भाई ने ही उसे ट्रैक्टर से कुचलकर मौत के घाट उतार दिया।

सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि बुधवार सुबह 7:45 बजे सूचना अड्डा गांव में दो पक्षों में झगड़ा होने की सूचना मिली थी। इस सूचना पर एसएचओ सदर बयाना जयप्रकाश टीम के साथ तुरंत गांव में पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी ली। एसपी कच्छावा ने बताया कि मृतक निरपत गुर्जर पुत्र अतर सिंह (30) और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस ने मृतक के भाई दामोदर गुर्जर से सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने हत्या करना कबूल कर लिया। इस पर आरोपी को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त ट्रैक्टर जब्त किया गया। जांच में सामने आया कि अड्डा गांव के बहादुर गुर्जर और अतर सिंह गुर्जर के बीच पिछले लंबे समय से रास्ते को लेकर विवाद चल रहा है। बुधवार सुबह करीब 8 बजे दोनों पक्ष फिर से आमने-सामने हो गए।

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला करने के साथ ही पथराव कर दिया। बहादुर व जनक पक्ष ने मृतक युवक के घर पर आकर मारपीट की। इस झगड़े के तुरंत बाद मृतक युवक के परिजनों ने षड्यंत्र रचकर अपने मुकदमे को मजबूत बनाने व दूसरे पक्ष को हत्या के मामले फसाने के उद्देश्य से आरोपी दामों उर्फ दामोदर गुर्जर ने अपने सगे भाई निरपत गुर्जर की ट्रैक्टर से बार-बार कुचलकर हत्या कर दी।

पांच दिन पहले भी हुआ था झगड़ा

दोनों पक्षों के बीच जमीन के विवाद को लेकर पांच दिन पहले 21 अक्तूबर को भी झगड़ा हुआ था। इसमें बहादुर और उसका छोटा भाई जनक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना को लेकर बहादुर के बेटे दिनेश ने दूसरे पक्ष के अतर सिंह और उसके बेटों निरपत, विनोद, दामोदर और रिश्तेदार ब्रजराज के खिलाफ सदर थाने में मामला दर्ज कराया था। सदर थाना एसएचओ जयप्रकाश ने बताया कि युवक की हत्या के आरोपी ट्रैक्टर चालक के बारे में पता लगाया जा रहा है।

बहादुर पक्ष पर पथराव का अरोप

मृतक निरपत के भाई विनोद ने बताया कि सुबह ट्रैक्टर लेकर खेत में जा रहा था। इस दौरान बहादुर पक्ष के लोगों ने मकान के ऊपर चढ़कर पथराव कर दिया। मैं घबराकर वापस घर आ गया। इस बीच आरोपी लाठी-डंडे लेकर घर में घुस आए और मारपीट की। आरोपी दिनेश और मुनेश ने मेरे भाई निरपत को उठाकर ट्रैक्टर के आगे पटक दिया और मेरा ही ट्रैक्टर आरोपी हनुमत सिंह मेरे भाई पर चढ़ाता रहा।

मृतक के पिता ने कहा- पुलिस ने पैसे लेकर छोड़ा

मृतक के पिता अतर सिंह ने कहा कि 5 दिन पहले भी आरोपियों के घर की महिलाओं ने रास्ते से निकलते समय मेरे बेटे निरपत पर कचरा और सड़ी-गली सब्जियां फेंकी थीं। इसका विरोध करने पर उन्होंने झगड़ा किया था। बहादुर सिंह के बेटे दिनेश ने मेरे और मेरे बेटों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने मुझे दोपहर 12 से रात 9 बजे तक थाने में बैठाकर रखा था। बाद में 15 हजार रुपए लेकर छोड़ा।

चिड़ावा शहर में हुआ हादसा

प्रतिमा विसर्जन के दौरान 2 युवकों की कुंड में डूबने से मौत

■ सीढ़ियों के बाद गहरे पानी का नहीं लगा सके अंदाजा मूर्ति के साथ ही गिरे

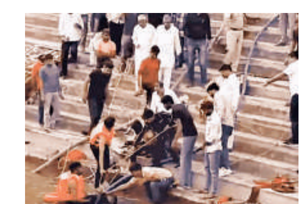

बेधड़क | झुंझुनूं

जिले के चिड़ावा शहर में पिलानी रोड पर दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां भगीनिया जोहड़ स्थित पं. गणेश नारायण घाट उद्यान के पीछे पक्के तालाब में प्रतिमा विसर्जन करने के दौरान दो युवकों की डूबने से मौत हो गई। दोनों के शव को निकालने के लिए करीब तीन घंटे तक कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

देर शाम को दोनों युवकों के बाहर निकले जा सके। गौरतलब है कि गांव में नवरात्र के दौरान दुर्गा महोत्सव चल रहा था। इसके समापन पर मंगलवार को निजामपुरा से चिड़ावा के लिए गाजे-बाजे के साथ प्रतिमा विसर्जन के लिए जुलूस रवाना हुआ। दोपहर करीब तीन बजे युवाओं-ग्रामीणों की टोली तालाब में विसर्जन के लिए पहुंची। जहां कुछ युवक प्रतिमा को लेकर तालाब में उतर गए। उन्हें पक्के तालाब की सीढ़ियों के कारण गहराई का अंदाजा नहीं हो सका। इस कारण चार-पांच युवक एक-दूसरे को बचाने के प्रयास में डूबने लगे। आखिर में युवक आशीष कुमार और भरत कुमार प्रतिमा के साथ ही गहरे पानी में गिर गए। तालाब में डूब रहे युवकों को साथियों ने बचाने का प्रयास भी किया, लेकिन कामयाब नहीं हो सके। हादसे के शिकार हुए दोनों ही युवक अपने परिवार में इकलौते हैं।

दोनों युवकों के दो-दो बहनें हैं। युवक भरत झुंझुनूं रोड पर गिफ्ट आइटम की दुकान चलाता था। उसके उनके पिता नत्थूराम चाय की थड़ी लगाते हैं। युवक की बहन की शादी भी कुछ दिनों बाद ही होने वाली थी। उधर, दूसरे युवक आशीष के पिता सुरेंद्र कुमार खेती-बाड़ी करते हैं। आशीष फिलहाल पढ़ाई कर रहा था।

सैकड़ों महिला-पुरुषों के साथ निकली कलश यात्रा

गुमानो माता की आरती उतार कर रविन्द्र मीना ने पदयात्रियों को किया रवाना

बेधड़क | करौली

नगाड़ खाना दरवाजे के पास नवल बिहारीजी मंदिर से करणपुर की गुमानो माता के लिए विसर्जन पदयात्रा रवाना हुई। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रमुख संतों के साथ बसपा प्रत्याशी एडवोकेट रविन्द्र मीना उपस्थित भी मौजूद रहे। उन्होंने गुमानो माता की आरती कर पदयात्रियों को रवाना किया।

इस दौरान बाजारों में होकर कलश यात्रा निकाली गई। इसमें सैकड़ों महिलाओं ने भाग लिया। बसपा प्रत्याशी रविन्द्र मीना भी

पदयात्रा में शामिल हुए। उन्होंने बाजार में सभी का हाथ जोड़कर अभिवादन किया। गुमानो माता भक्त मंडल करौली के अध्यक्ष कैलाश शर्मा, रवि जिंदल, दिनेश चंद शर्मा, पूरन चंद, विपिन शुक्ला, गुड्डू बजाज, केशव सिंहल, शिंभू शर्मा, टीकम चंद शर्मा आदि ने बताया कि मुख्य अतिथि एडवोकेट रविन्द्र मीना का नवल बिहारीजी मंदिर पहुंचने पर समिति से जुड़े समाजसेवी शिंभूदयाल और समिति अध्यक्ष कैलाश शर्मा ने शॉल और माता की चुनरी ओढ़ाकर सम्मान किया। उन्हें गुमानो माता की तस्वीर भी भेंट की गई। इस मौके पर ध्रुवघटा के संत हरिंद्रानंद महाराज और अन्य संत भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

सभी अतिथियों का समिति पदाधिकारियों ने सम्मान किया। मुख्य अतिथि रविन्द्र मीना ने गुमानो माता की आरती की और कलश यात्रा तथा पदयात्रियों को रवाना किया। इस दौरान बसपा प्रत्याशी एडवोकेट रविन्द्र मीना और संत हरिंद्रानंद महाराज श्रद्धालुओं के साथ चल रहे थे।

चार आरोपियों ने दिया घटना को अंजाम

हथियार के दम पर युवती किडनैप, बदमाशों की तलाश में जुटी पुलिस

बेधड़क | धौलपुर

जिले के दिहौली थाना क्षेत्र के गांव में एक युवती के अपहरण का मामला सामने आया है। युवती की मां ने थाने में मामला दर्ज कराया है। इसमें बताया कि मंगलवार रात वह अपनी बेटी के साथ घर में सो रही थी। रात करीब 11-12 के बीच गांव के ही चार युवक बाइक से उसके घर पहुंचे। एक आरोपी ने महिला की कनपटी पर कट्टा लगा दिया, तो दूसरे आरोपी ने कपड़े से उसके हाथ बांध दिए। महिला को बंधक बनाने के बाद आरोपी उसकी बेटी का अपहरण कर साथ ले गए और जान से मारने

की धमकी दी। घटना की जानकारी जैसे ही परिजनों को लगी तो उनके होश उड़ गए वहीं गांव में घटना से हड़कंप मच गया। थाना प्रभारी सुमन कुमार चौधरी ने बताया थाना इलाके से एक गांव में युवती के अपहरण का मामला सामने आया है। युवती की मां ने पड़ोसी चार युवकों पर अपहरण का आरोप लगाया है।

आरोपियों के ठिकानों पर पुलिस की दबिश

थाना प्रभारी ने बताया कि वारदात के आरोपी नामजद हैं। मामला पुरानी रंजिश को जोड़कर भी देखा जा रहा है। साथ ही आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों के ठिकानों पर दबिश दे रही है। आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सेहत से खिलवाड़

नामी ब्रांड से नकली तेल बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़

बेधड़क | भीलवाड़ा

त्योहारी सीजन में मिलावटी और नकली खाद्य सामग्री बेचकर लोगों की सेहत से खिलवाड़ा करने वाले सक्रिय हो गए हैं। वहीं पुलिस की ओर से भी लगातार इनकी धरपकड़ की जा रही है। इसी कड़ी में पुलिस मुख्यालय सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम की सूचना पर बुधवार को भीलवाड़ा के भीमगंज थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई है।

पुलिस व खाद्य विभाग की टीम ने थाना क्षेत्र के तिलक नगर स्थित एसआर ट्रेडिंग कंपनी पर छापा मारा। यहां से 700 लीटर सोयाबीन और सरसों का तेल एवं अन्य सामग्री बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। आरोपी नामी कंपनियों के मिलते-जुलते नाम से खाद्य तेल बोतल एवं टिन में पैकिंग कर सप्लाई करते हैं। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि क्राइम ब्रांच के कांस्टेबल गोपाल धाबाई और विजय सिंह को नकली तेल बनाने की फैक्ट्री के बारे में सूचना मिली थी।

इसके बाद फैक्ट्री पर नजर रखकर सूचना की पुष्टि की गई। सूचना सही पाए जाने के बाद बुधवार को क्राइम ब्रांच की टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से फैक्ट्री पर छापा मारा। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को भी बुलाया गया। टीम ने 700 लीटर सोयाबीन व सरसों तेल, 15 कंपनियों के रैपर व पैकिंग सामग्री, खाली बोतल, पॉम ऑयल, शीशियां, पैकिंग करने की मशीन इत्यादि जब्त की गई।

मिलते जुलते नाम से कर रहे थे पैकिंग

मौके से पुलिस ने आरोपी हितेश काबरा पुत्र सीताराम निवासी तिलक नगर थाना भीमगंज और शैलेंद्र कुमार उर्फ शेरू काबरा पुत्र कैलाश चंद्र निवासी थाना कोतवाली भीलवाड़ा को पकड़ा है। आरोपी 15 प्रचलित कम्पनी के मिलते जुलते नामों से पैकिंग कर बाजार में सप्लाई कर रहे थे। इसके साथ ही बिना लाइसेंस व ट्रेड मार्क के भी अशिक्षित वर्ग को खाद्य तेल विक्रय कर रहे थे।

हिस्ट्रीशीटर है फर्म का मालिक

फर्म का मालिक शैलेन्द्र कुमार उर्फ शेरू काबरा थाना भीमगंज का हिस्ट्रीशीटर है। अपने चचेरे भाई हितेश काबरा के साथ मिल कर अपने मकान के पड़ोस में किराये के गोदाम में लंबे समय से फैक्ट्री संचालन कर रहा था। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सैंपल लेकर जांच की जा रही है। एडीजी ने बताया कि इस कार्रवाई में कांस्टेबल गोपाल धाबाई व विजय सिंह की विशेष भूमिका रही।

---

105 किलो कृष्णा ब्रांड का नकली घी किया बरामद

बेधड़क | टोंक

खाद्य एंव चिकित्सा विभाग की टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए कोटा डिपो की नेनवा से जयपुर जा रही रोडवेज बस से टोंक बस स्टैंड पर कृष्णा ब्रांड का 105 किलो नकली घी पकड़ा है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी सत्यनारायण गुर्जर ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली थी कि वाया नेनवा कोटा जा रही बस में भारी मात्रा में नकली घी जयपुर में सप्लाई होने जा रहा है। इस पर टीम ने उनियारा से ही बस का पीछा कर टोंक बस स्टैंड पर पुलिस की मौजूदगी में बस की डिक्की की तलाशी ली तो उसमें कृष्णा ब्रान्ड के आठ कर्टन पाए गए। टीम की ओर से नकली घी जब्त कर सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा जाएगा। रोडवेज बस के चालक मो. मुमताज ने पूछताछ में बताया कि नैनवा में नरेश पाराशर नाम के व्यक्ति ने यह कहकर कर्टन रखे थे कि इनमें टांफिया भरी हुई हैं जो जयपुर में डिलीवर करनी है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सत्यनारायण गुर्जर ने बताया कि खाद्य वस्तुओं में मिलावट रोकने का अभियान चलाया जा रहा है।

सीधे फील्ड से | कई नेताओं को सीट बदलने से मिली कामयाबी, कई नई जगह पर भी पिछड़े

जीत का समीकरण साधने के लिए कई बार नेताओं ने बदले हैं मैदान-ए-जंग

बेधड़क | जयपुर

चुनाव जीतने के लिए नेता और पार्टियां क्या क्या जतन नहीं करते। तमाम हथकंडों के साथ ही प्रदेश के कई नेताओं ने समय समय पर अपनी 'जंग के मैदान' बदल कर भी सत्ता की दहलीज तक पहुंचने की कोशिश की है। किसी नेता ने वोट बैंक खिसकता देख सीट बदली तो किसी को परिसीमन के चलते बदले समीकरणों के कारण सीट बदलनी पड़ी।

कई बार पार्टियों ने जातिगत, धार्मिक या दूसरे राजनीतिक समीकरणों को साधने के लिए अपने नेताओं को दूसरी सीट से मैदान में उतारा है। इनमें से कुछ सफल रहे हैं तो कुछ को जनता ने नकार दिया। इस चुनाव में भाजपा ने नरपतसिंह राजवी को विद्याधरनगर से सीधा चित्तौड़गढ़ भेज दिया वहीं राजेन्द्र राठौड़ को चूरू से तारानगर शिफ्ट कर दिया। साथ ही राजसमंद सांसद दीयाकुमारी को विधायक के रूप में विद्याधरनगर से मैदान में उतारा है। दोनों ही पार्टियों की आने वाली सूचियों में भी सीट बदलने के ऐसे उदाहरण देखने को मिलेंगे। ऐसे मामलों में स्थानीय नेताओं के भीतरघात, असंतोष व असहयोग से निपटना उम्मीदवार व पार्टी के लिए बड़ी चुनौती साबित होता है। इस चुनाव में भी बाहरी नेताओं को प्रोजेक्ट किए जाने के कारण स्थानीय स्तर पर भारी विरोध सामने आ रहा है।

ये हैं वो बड़े चेहरे जिन्होंने अलग-अलग सीटों से लड़े चुनाव

भैरोंसिंह शेखावत

1952 में दांतारामगढ़ से विधायक बने। 1957 में श्रीमाधोपुर से, 1962 में किशनपोल से और 1977 में छबड़ा से लड़े। 1985 में निम्बाहेड़ा से और 1993 में बाली से जीते। शेखावत ने 1993 में ही गंगानगर से भी चुनाव लड़ा था।

गुलाबचंद कटारिया

1977 और 1980 में उदयपुर शहर से चुनाव जीता। 1985 में यहां से हार गए। 1993 और 1998 का चुनाव कटारिया ने बड़ी सादड़ी से लड़ा और जीते। 2003 में उन्होंने फिर पुरानी सीट उदयपुर से चुनाव लड़ा।

शीशराम ओला

1957 में खेतड़ी से विधायक बने। तीन चुनावों के बाद 1972 और 1977 में पिलानी पहुंचे और यहां से जीते। 1980 में झुंझुनू से चुनाव जीता।

कैलाश मेघवाल

1977 में राजसमंद से विधायक बने। 1980 में अजमेर पूर्व से चुनाव लड़कर जीते। 1991 के उपचुनाव में निवाई से चुनाव लड़ा। 1993 में फिर सीट बदली और शाहपुरा भीलवाड़ा से चुनाव जीते। 2013 में भी यहां से विधायक बने।

वसुंधरा राजे

1985 में धौलपुर से विधायक बनीं। 2003 में झालरापाटन से जीतीं। 2008 व 2013 में भी झालरापाटन से ही चुनाव जीता।

परसराम मदेरणा

1957 में ओसियां से चुनाव लड़ा। इसके बाद 1962 में भी ओसियां से ही विधायक बने। 1967 में भोपालगढ़ से लड़े।

चंदनमल बैद

1952 में सरदारशहर से चुनाव लड़ना शुरू किया। कई चुनाव जीतने के बाद 1967 में हारे तो 1977 में तारानगर से लड़े।

घनश्याम तिवाड़ी

1980, 1985 व 1990 में तिवाड़ी ने सीकर से चुनाव लड़ा। 1993 में सीट बदलकर चौमूं से जीते पर 1998 में हार गए। 2003 के बाद से तिवाड़ी ने सांगानेर सीट से चुनाव लड़ा।

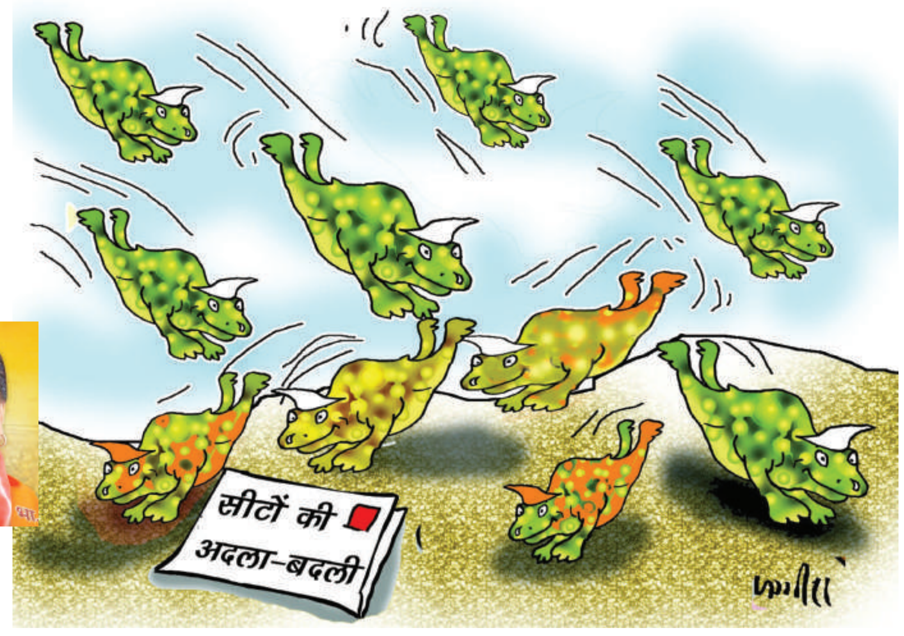

राजेन्द्र राठौड़

राजेन्द्र राठौड़ ने 1990 से 2008 तक तारानगर से चुनाव लड़ा। इसके बाद 2013 और 2018 में में उन्होंने चूरू सीट से चुनाव लड़ा। इस बार वे वापस अपनी पुरानी सीट तारानगर से मैदान में हैं।

किरोड़ीलाल मीणा

किरोड़ीलाल मीणा ने अपना पहला चुनाव महुआ से लड़ा था। इसके बाद मीणा बामनवास, सवाईमाधोपुर, टोडाभीम और लालसोट से विधायक रहे हैं। सांसद के रूप में भी मीणा ने सवाईमाधोपुर और दौसा का प्रतिनिधित्व किया है। इस बार वे सवाईमाधोपुर से मैदान में हैं।

इन नेताओं ने भी बदली हैं सीट

भाजपा की सुमित्रा सिंह ने पहले पिलानी से चुनाव लड़ा, बाद में झुंझुनू से उतरीं। वासुदेव देवनानी पहले अजमेर पश्चिम से और बाद में अजमेर उत्तर से विधायक बने। अिनता भदेल 2003 में अजमेर पूर्व से और 2008 में अजमेर दक्षिण से जीतीं। ललित किशोर चतुर्वेदी 1977 से 1993 तक कोटा से विधायक बने, 1998 में हारने के बाद 2003 में सीट बदलकर दीगोद से लड़े पर वहां भी जीत नहीं पाए। श्रीचंद कृपलानी ने 1990 में निम्बाहेड़ा से जीते, 2008 में चित्तौड़गढ़ से लड़े, 2013 में वापस निम्बाहेड़ा से लड़े। रमा पायलट 1990 में हिण्डौली से विधायक बनीं, 2003 में उन्होंने झालरापाटन से चुनाव लड़ा।

बिहाइंड | द कर्टेन

टिकट से महरूम नेताजी अब हो रहे इधर से उधर

विधानसभा चुनाव के लिए जैसे-जैसे पार्टियों के प्रत्याशियों की लिस्ट जारी हो रही है वैसे ही नेताओं में इधर से उधर पाला पलटने की होड़ मची है। टिकट से महरूम कोई नेता कार्यकर्ताओं के दम पर अकेले ही चुनावी मैदान में ताल ठोकने की रणनीति बना रहा है तो कोई दूसरी पार्टी में जाकर अपना रोष जता रहा है। अलबत्ता ये सिलसिला दोनों ही पार्टियों में चल रहा है। ऐसे में किसी की फिर से घर वापसी हो रही है तो कोई नई पार्टी में अपना भविष्य खोज रहा है। जैसे-जैसे दोनों पार्टियों में प्रत्याशियों की लिस्ट जारी हो रही है वैसी ही दावेदारों में कलह बढ़ रहा है। कोई टिकट कटवा चुका नेता अपने समर्थकों के साथ सड़क पर है तो कोई पार्टी के दफ्तर में धरना दिए बैठा है। किसी को नई सीट की आस है तो किसी ने सारी उम्मीदें टूटने पर नई पार्टी का दामन थाम लिया। इधर देखा जाए तो दोनों ही पार्टियों ने जिताऊ उम्मीदवार को ही टिकट देने की बात कही थी। ऐसे में नए चेहरों को मौका देने से दोनों ही दल फिलहाल बचाव की मुद्रा में हैं। हाथ वाली पार्टी ने तो दावेदारों का कई स्तर पर इम्तिहान लिया और कई स्तरों पर उनकी जमीनी हकीकत तलाशी गई। टिकट वितरण को लेकर लंबा मंथन किया गया। इसके बावजूद मौजूदा विधायकों को ही मौका देने से दावेदार मायूस हो रहे हैं। वहीं फूल वाली पार्टी में भी वंशवाद की बेल पनपने से दावेदार टिकट से महरूम हो रहे हैं। ऐसे में दोनों पार्टियों के लिए कार्यकर्ताओं की मान-मनौव्वल अब चुनौती भरा काम हो गया है। ■ यायावर

ई | वॉर

Kalicharan Saraf
@KalicharanSaraf

राजस्थान में हर दिन
17 महिलाओं के साथ दुष्कर्म।

5 साल में कांग्रेस सरकार ने यह राजस्थान बनाया है।

Ashok Gehlot
@ashokgehlot51

राजस्थान में लाखों घरों में खाली सिलेंडर रखे थे। सिलेंडर भरवाने में 1100 रुपए लग रहे थे। महिलाएं लकड़ी काट कर काटकर लातीं और आग जलाकर धीमी आंच में घंटों तक खाना बनाती इसके साथ ही धुएं से होने वाली बीमारियां अलग।

हमारी सरकार ने उनके लिए सिलेंडर का दाम 500 रुपए किया। मुझे राजस्थान की बहुत सी माताओं और बहनों का आशीर्वाद मिला।

जनता की और भी बहुत सी समस्याएं हैं, सिलेंडर बहुत महंगा है। आज भी कई घरों में सिलेंडर का इस्तेमाल कभी-कभी ही किया जाता है। रोज़ का खाना अंगीठी या चूल्हे पर बनता है।

पूरे राजस्थान में किसी भी घर में अंगीठी या लकड़ी पर खाना नहीं बनने देगी कांग्रेस।

इंदिरा गांधी गैस सब्सिडी योजना- जिससे सिलेंडर सिर्फ 500 में भरवाया जाता है- अब 1 करोड़ 4 लाख परिवारों को दिया जाएगा। बस कांग्रेस के चुनाव जीतने के कुछ दिनों में ही।

थड़ी | पॉलीटिक्स

नेताजी का कोई पता नहीं, आज यहां हैं कल कहीं और नजर आएंगे

स्थान भाजपा कार्यालय **समय** दोपहर 4:00 बजे

जयपुर

इनका कोई पता नहीं है। अभी इस दुकान पर बैठे हैं, कब दूसरी दुकान पर पहुंच जाएं बता नहीं सकते। और नई दुकान पर कुछ काम नहीं बना तो कब तीसरी दुकान पकड़ ले और वहां भी काम ना हो तो वापस पहली दुकान पर ही आ जाएं।" दोनों पार्टियों की सूचियां कुछ इलाकों के नेताओं को काम पर लगा चुकी हैं, कुछ इलाकों के नेताओं से इंतजार करवा रही हैं। चुनावी रंग अब सड़कों पर भी दिखने लगा है। नेता अपने समर्थकों के साथ सड़कें नाप रहे हैं। पार्टियों के दफ्तरों से निकलकर राजनीति जनसभाओं के पांडालों तक पहुंच गई है। अब इन पांडालों और सड़कों से निकलकर राजनीति के समीकरण ईवीएम के अंदर पहुंचें और उनमें से नए एमएलए निकलें तब तक सिर्फ कयास ही लगाए जा सकते हैं। आम जनता के बीच लगने वाले कयासों और राजनीति की सच्ची तस्वीर को देखने हम निकले तो पहुंच गए भाजपा के दफ्तर पर। यहां बाहर बनी चाय की थड़ी पर चाय की चुस्कियां ले रहे लोगों में चल रही थी दलबदलुओं की चर्चा। एक ओर से दल बदलने वाले नेताओं पर बात शुरू हुई तो सामने से जवाब आया-"तो भाई, वो भी क्या करें। 20-30 साल तो सभा में दरी बिछाने-उठाने का काम कर लिया। बड़े इंतजार के बाद कुछ मिलने का मौका आता है तो या तो बाहर से किसी को लाकर तिलक कर देते हैं, या किसी बड़े नेता के बेटे-भतीजे को टिकट मिल जाता है। अब जो कई साल से मेहनत कर रहा है उसको तो बुरा लगेगा ही।" बात में दम था। सामने से फिर नया एंगल सामने आया-"पार्टी भी क्या करे तो, टिकट तो 200 ही हैं। 200 से ज्यादा लोगों को तो मिलेंगे नहीं। और कोई भी नेता खुद को कमजोर तो मानता नहीं है। सबको ये ही लगता है कि मुझे टिकट मिला तो मैं ही जीतूंगा। पर पार्टी तो हर तरह से जांच परख कर ही किसी को उतारेगी, सत्ता का सवाल है।" सामने से कन्क्लूजन आया- "भाई राजनीति में सब्र तो करना ही पड़ता है। यहां सब भाग्य का ही खेल है। भाग्य अच्छा है तो लोग 20-25 साल की उम्र में भी कुर्सी पा लेते हैं और ऐसे भी लोग हैं जो सारी जिंदगी कार्यकर्ता ही बने रह जाते हैं। खैर, अपने तो मजे लो इस माहौल के।" सब भाग्य पर छोड़ मंडली की चर्चा समाप्त होती है। ■ **नरेन्द्र शर्मा**

पॉली | क्लिक्स

प्रदेश के साथ ही जयपुर में चुनावी माहौल दिखाई देने लगा है। सिविल लाइंस से कांग्रेस उम्मीदवार प्रतापसिंह खाचरियावास बुधवार को अपने आवास से पैदल यात्रा कर गोविंददेवजी मंदिर पहुंचे और भक्तों के साथ भगवान के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने मंदिर में पूजा अर्चना भी की।

पॉली | टून

चुनावी | इतिहास के झरोखे से

"मैं तो आपकी बकरी हूं, जहां चाहो पकड़ लेना" बोलकर जननेता बन गए थे भार्गव

■ *गुलाब बत्रा, वरिष्ठ पत्रकार*
gulabbatra@gmail.com

महाराजा कॉलेज के एक जोशीले विद्यार्थी को अचानक क्या सूझी कि उसने नगर परिषद जयपुर का चुनाव लड़ा और जीत भी गया। धुन के धनी ने चुनाव दर चुनाव लड़ते हुए पहले राजस्थान विधानसभा में अपनी आवाज बुलंद की फिर लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर लोकसभा के द्वार पर दस्तक दी। आप जानना चाहेंगे, उस युवा का नाम- वह है गिरधारी लाल भार्गव।

अटूट समाज सेवा के जीवंत प्रतीक बने गिरधारी ने अपने नाम के अनुरूप सभी की पुकार सुनी तभी तो राजधानी जयपुर में उनके लिए एक नारा बुलंद हुआ जिसका न पूछे कोई हाल- उसके संग गिरधारी लाल। जन जन के प्रिय इस युवक ने लोकसभा के पहले चुनाव को राजा रंक का स्वरूप देकर तत्कालीन जयपुर राजपरिवार के ले. कर्नल भवानी सिंह को पराजित किया। भार्गव ने नवीं से चौदहवीं लोकसभा तक

लगातार चुनावी छक्का लगाने में सफलता हासिल की। नगर परिषद का चुनाव- वर्ष 1956- चौकड़ी पुरानी बस्ती का एक वार्ड- गिरधारी लाल ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पार्षद चुनाव का पर्चा भर दिया। तब के दिग्गजों को परास्त कर पहला चुनाव जीत लिया।

चुनाव का चस्का ऐसा लगा कि अगले वर्ष 1957 में हवामहल विधानसभा क्षेत्र से खड़े हो गए। पराजय मिली। लेकिन हिम्मत नहीं हारी। वर्ष 1962 में हवामहल क्षेत्र से फिर किस्मत आजमाई लेकिन भाग्य ने साथ नहीं दिया। इस बीच जब भी नगर परिषद के चुनाव हुए- भार्गव पार्षद चुने गए।

जानकारों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र में भार्गव के प्रचार की तरीका अनोखा था। वह ढूंढाड़ी भाषा में जनता से संवाद करते और महल में रहने वाले महाराजा से मिलने-जुलने की लम्बी प्रक्रिया से होने वाली परेशानी को सहज भाव से समझाते। और फिर कहते- मैं तो आपकी बकरी हूं, चाहे जहां पकड़ लो। भार्गव की यह बात परम्परावादी ग्रामीण मतदाताओं को जंच गई और भार्गव चुनाव जीत लोकसभा की सीढ़ी चढ़ गए।

तीन चुनाव , तीन चिह्नों पर जीते

वर्ष 1972 के चुनाव में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की आंधी थी। तब गिरधारी लाल ने बतौर जनसंघ प्रत्याशी हवामहल क्षेत्र से नामांकन पत्र दाखिल किया और शानदार सफलता हासिल की। मानों मतदाताओं ने तीसरा चुनाव लड़ने वाले गिरधारी का कर्जा ब्याज समेत चुकाया। जनता लहर में वर्ष 1997 में वह किशनपोल क्षेत्र से 69.47 प्रतिशत वोट लेकर कांग्रेस के श्रीराम गोटेवाला को हराने में सफल हुए। लेकिन 1980 में गोटेवाला ने भार्गव को पराजित कर अपनी पिछली हार का बदला ले लिया। वर्ष 1985 मे इसी क्षेत्र से उन्होंने विधानसभा का अंतिम चुनाव 51.23 प्रतिशत वोट लेकर जीता। तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरों सिंह शेखावत ने अपने पहले शासनकाल में भार्गव को नगर सुधार न्यास जयपुर का अध्यक्ष बनाया। विचित्र बात यह रही कि गिरधारी लाल भार्गव तीन बार विधायक बने लेकिन हर बार उनका चुनाव चिन्ह अलग रहा। पहले जनसंघ का दीपक, फिर जनता पार्टी का हलधर और फिर भाजपा का कमल खिला।

बीच सड़क स्कूटर रोक किए थे हस्ताक्षर

रामनिवास बाग के सामने एमआई रोड का किस्सा है। मैं साइकिल से सांगानेरी गेट की तरफ से पांच बत्ती हिन्दुस्तान समाचार कार्यालय जा रहा था। तभी देखा एक व्यक्ति ने स्कूटर पर जाते भार्गव को देखकर उन्हें रोका। उस व्यक्ति को किसी दस्तावेज पर विधायक के हस्ताक्षर कराने थे। भार्गव ने वहीं हस्ताक्षर किए तथा डिग्गी में से मोहर लगा आगे रवाना हो गए। एक सुबह मैं उनके निवास पर गया- वह धड़ाधड़ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करते जाते। काफी देर बाद गर्दन सीधी करके पर उन्होंने मुझे देखा- यह दृश्य देखते हुए मुझे 15-18 मिनट हो चुके थे। वह अन्य क्षेत्रों के मतदाताओं की भी मदद करते थे। जिंदगी के आखिर तक भार्गव ने समाज सेवा का दायित्व सहज भाव से निभाया।

भवानी सिंह को हराया था 84 हजार वोट से

नवीं लोकसभा के लिए नवम्बर 1989 में चुनाव हुआ। तब बोफोर्स रिश्वत कांड की गूंज थी। भारतीय जनता पार्टी ने जयपुर संसदीय क्षेत्र से गिरधारी लाल भार्गव को चुनाव मैदान में उतारा। वह नामांकन भरने के पश्चात महारानी गायत्री देवी का आशीर्वाद लेने गए। भार्गव ने सिटी पैलेस जाकर अपने प्रतिद्वंदी कांग्रेस ई प्रत्याशी ले. कर्नल भवानी सिंह से भी मतदाता के रूप में अपने पक्ष में मतदान करने का अनुरोध किया। तब की जानकारी के अनुसार भार्गव ने पूर्व में महाराजा से भाजपा प्रत्याशी बनने पर चुनाव नहीं लड़ने की बात कही थी। इस चुनाव में गिरधारी लाल भार्गव को 54.25 % अर्थात 3 लाख 84 हजार 125 वोट तथा ले. कर्नल भवानी सिंह को 2 लाख 99 हजार 638 (42.32%) मत मिले। भार्गव की जीत 84 हजार 487 वोटों के अंतर से हुई। शेष 15 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। कांग्रेस प्रत्याशी को केवल जौहरी बाजार निर्वाचन क्षेत्र से मात्र 2456 मतों की बढ़त मिली। जयपुर ग्रामीण में कड़े संघर्ष में भार्गव केवल 493 मतों की लीड ले सके।

राष्ट्रीय अस्मिता और प्राथमिकता होती जा रही है सर्वोपरि

सांस्कृतिक धुरी से तय होती कूटनीति

प्रेम प्रकाश
स्वतंत्र टिप्पणीकार

ग्लोबल दुनिया में राष्ट्र की भूमिका और हैसियत बीते तीन दशकों में जिस तरह बदली है, वह कई बार चौंकाता है, पर अब यह बदलाव दूरदर्शिता के साथ एक ऐसी शक्ल ले रहा है, जिसमें राष्ट्रीय अस्मिता और प्राथमिकता सर्वोपरि होती जा रही है। इस लिहाज से बिस्मार्क का एक वक्तव्य बहुत महत्वपूर्ण है। आधुनिक जर्मनी के संस्थापक ने कभी कहा था कि कूटनीति वही सफल होती है, जो कोई राष्ट्राध्यक्ष नहीं, बल्कि उस देश का राजनीतिक-सांस्कृतिक डीएनए तय करता है। यह बात भारत को लेकर तब ज्यादा समझ में आई जब स्टेट के पश्चिमी मॉडल की देखादेखी हमारे देश ने आजादी के बाद कूटनीतिक क्षेत्र में कदम बढ़ाया। नतीजा यह रहा कि न हमसे भारत की राजनीतिक-सांस्कृतिक अस्मिता संभली और ना ही हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सुरक्षा को ही पुख्ता कर पाए।

बमुश्किल आजादी के डेढ़ दशक बीतते-बीतते सीमा पर अपने पड़ोसी से मात खाने वाली इस कूटनीति का धराशायी होना एक बड़ी ऐतिहासिक घटना थी। 1962 में चीन के साथ युद्ध में भारत ने जो खोया, उसकी भरपाई आज तक नहीं हो पाई है। बड़ा नुकसान यह कि उत्तर-पूर्व के राज्यों में आज भी इसके कारण स्थिति सामान्य नहीं हुई है। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय हालात भी काफी बदले पर हमारा देश इन सबके बीच अपनी अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकताओं को तार्किक ढंग से तय नहीं कर पाया।

आज जब एक तरफ यूक्रेन संकट के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई तरह के अनिष्ट के बादल छाए हैं, तो वहीं हमास और इजराइल के बीच बनी युद्धक स्थिति दुनिया को बड़ी तबाही की ओर ले जा रही है। इस बीच कनाडा में सिखों के आतंकी मंसूबे को मिली शह ने भारत की चिंता खासतौर पर बढ़ा दी है।

> *“1962 में चीन के साथ युद्ध में भारत ने जो खोया, उसकी भरपाई आज तक नहीं हो पाई है। बड़ा नुकसान यह कि उत्तर-पूर्व के राज्यों में आज भी इसके कारण स्थिति सामान्य नहीं हुई है। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय हालात भी काफी बदले पर हमारा देश इन सबके बीच अपनी अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकताओं को तार्किक ढंग से तय नहीं कर पाया।”*

अच्छी बात यह है कि मामला यूक्रेन संकट का हो कि गाजा और इजराइल के बीच बढ़े तनाव का, भारत ने एक तरफ जहां शांति की वकालत की है तो वहीं संबंधित देशों के साथ लगातार संवाद की स्थिति बनाकर रखी है। कनाडा को लेकर तो भारत के विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र और दूसरे बड़े मंचों पर जिस तरह की निर्भीकता दिखाई, वह काबिले तारीफ है। पक्ष और विपक्ष की अंतरराष्ट्रीय खेमेबाजी और दबाव से दूर भारत का खुद एक समाधानकारी पक्ष के रूप में उभरना एक नई और बड़ी परिघटना है।

जी-20 का नई दिल्ली घोषणापत्र निर्विवाद रूप से भारत की तरफ से दुनिया को एक बड़ा संदेश है। इसे देखकर लगता है कि भारत की कूटनीति अब उसके डीएनए के मुताबिक तो है ही, यह उसके बढ़ते अंतरराष्ट्रीय सामर्थ्य को भी जाहिर करता है। इसने विश्व के शक्ति संतुलन में भारत की भूमिका को केंद्रीय बना दिया है। यह केंद्रीयता जी-20 में अफ्रीकी यूनियन के शामिल होने से और मजबूत हुई है। अच्छी बात यह है कि भारत के इस प्रभुत्व में कोई भी वर्चस्व नहीं देख रहा। भारत के साथ दुनिया के तमाम देश आज सहमति दिखा रहे हैं तो इसके पीछे बड़ी वजह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सबको साथ लेकर चलने का विचार है। वे जब विकास को मानवीय धुरी पर लाने की बात करते हैं तो यह बेहतर और सुरक्षित भविष्य के लिए सबको जरूरी लगता है।

वैसे इस धुरी को अकेले भारत के राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखना भी दिलचस्प है। भारत ने पहली बार यह दिखाया कि उसके लिए कोई अंतरराष्ट्रीय अवसर किस तरह उसके संघवादी स्वरूप को मजबूती देता है। डबल इंजन की सरकार और फेडरल कॉपरेटिव अप्रोच के साथ विकास और राजनीति को जिस तरह इस दौरान साधा गया है, वह महत्वपूर्ण है।

भारत की जी-20 अध्यक्षता के कारण देश के अंदर बनी स्थितियों पर गौर करें तो कुछ बातों की नोटिस और सराहना तो सरकार की मुखालफत करने वाले बड़े विपक्षी नेताओं ने भी की। इनमें पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और पूर्व विदेश मंत्री शशि थरूर शामिल हैं। राजनीतिक पंडित इसकी व्याख्या चाहे जिस तरह करें पर विकासवादी आधार पर यह एक बड़ी उपलब्धि है। यह इस उपलब्धि की ही देन है कि जब जी-20 शिखर सम्मेलन समाप्त हुआ तो उस पर जिन लोगों की प्रतिक्रिया को महत्व मिला उनमें कई प्रदेशों के मुख्यमंत्री तक शामिल रहे।

दरअसल आज जब उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात से लेकर ओड़ीशा और झारखंड तक अपने यहां ऐसे ग्लोबल इवेंट आयोजित कर रहे हैं, जो इसी देश में अब तक केंद्र की पहल और भूमिका के असंभव थे। यह बदलाव विकास के साथ सांस्कृतिक अस्मिता को लेकर बढ़ी चाहत है। अच्छी बात यह है कि भारत में यह चाहत उसकी संघीय रचना को भी नए सिरे से मजबूती और विस्तार दे रहा है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

बाढ़ की विनाशलीला का दंश

जोखिम वाले इलाकों में न बसाएं बस्तियां

ज्ञानेन्द्र रावत
वरिष्ठ पत्रकार व पर्यावरणविद्

> *“यूनीसेफ तथा इंटरनल डिस्प्लेसमेंट मॉनीटरिंग का साल 2016 से 2021 के बीच किया अध्ययन में खुलासा हुआ है कि भारत में बाढ़ और तूफान ने बीते छह सालों में 67 लाख बच्चों को घर से बेघर कर दिया है। ये बच्चे स्कूल छोड़ने पर भी मजबूर हुए हैं। अध्ययन सबूत है कि बाढ़ और तूफान जैसी आपदाओं के चलते दुनिया में 4.3 करोड़ बच्चे मौसम की घटनाओं से विस्थापन को मजबूर हुए हैं।”*

देश-दुनिया में समय-समय पर आई बाढ़ की विनाशलीला का दंश लगता है अब आए-दिन की बात हो गई है और इससे होने वाले नुकसान को सहना बाढ़ के जोखिम वाले इलाकों के लोगों की नियति बन चुकी है। यही नहीं यह भी अब जग जाहिर है कि आपदा कोई भी हो,वह चाहे भूकंप हो, बाढ़ हो, चक्रवात हो, बादल फटने की घटना हो या भूस्खलन हो, अकाल हो या सूखा, किसी भी आपदा में राहत वितरण की प्रक्रिया अधिकारियों-कर्मचारियों या राजनेताओं के लिए किसी पर्व या त्योहार से कम नहीं होती। हां आपदा का दंश यदि किसी को सालता है तो वह आपदा प्रभावित क्षेत्र के उन लाखों लोगों को, जिनके लिए आपदा से हुए नुकसान की भरपाई जिंदगी में कभी नहीं होती जिसमें वे अपनी जिंदगी भर की कमाई, घर-परिवार, खेत-खलिहान, मवेशी आदि आदि सभी कुछ गंवा चुके होते हैं।

पिछले दिनों सिक्किम में आई बाढ़ के चलते यदि सरकारी आंकडों की मानें तो करीब 41,870 लोग प्रभावित हुए, जबकि गैर सरकारी सूत्र प्रभावितों की तादाद 50 से 60 हजार तक मानते हैं, अकेले चार जिलों में 25 हजार लोग प्रभावित हुए। चुंगथान बांध टूट गया था। तीस्ता नदी किनारे रहने-बसने वाले 20 -22 हजार से ज्यादा लोग बेघरबार हुए। उस दरम्यान 6,675 लोगों ने राहत शिविरों में शरण ली। 1,320 से ज्यादा मकान क्षतिग्रस्त हुए। मंगन, पाक्योंग,नामची और गंगटोक जिलों के बाजार, पुल, बांध, सड़कें टूट गई। अकेले जलपायीगुडी जिले में 11 हजार लोगों को सुरक्षित निकालने में प्रशासन कामयाब रहा था। राजमार्ग संख्या-10 और अन्य सड़कें टूट जाने व संचार व्यवस्था भंग होने से जहां देश के शेष भाग से संपर्क टूट गया था, वहीं राहत व बचाव दलों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उस दौरान 3000 से ज्यादा पर्यटक फंस गए। उन लोगों को सुरक्षित निकालने के अभियान में मौसम की खराबी के चलते हेलिकाप्टरों को उड़ान भरने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। तीस्ता नदी किनारे फार्मास्युटिकल कंपनियां, जल

विद्युत परियोजनाओं और बरदांग में स्थित सेना की स्थायी छावनी को काफी नुकसान हुआ। सेना की छावनी के 41 वाहन मलबे युक्त कीचड़ में फंसे रहे। राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग की मानें तो घटिया सामग्री से बांध निर्माण की वजह से सिक्किम में बादल फटने के बाद स्थिति खतरनाक एवं बेकाबू हुई। इससे जानमाल का इतने बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ। घटिया सामग्री से बना बांध ल्होनक झील के पानी को संभाल नहीं पाया और वह टूट गया था। जल प्रलय से सिक्किम की 1200 व 550 मेगावाट वाली दो जल विद्युत परियोजनाएं बर्बाद हो गई।

गौरतलब यह है कि कुछ आपदाओं को हम खुद दावत देते हैं जिनके चलते करोड़ों-अरबों के जान-माल का नुकसान उठाना पड़ता है। इस बारे में विश्व बैंक का मानना है कि यह सब चेतावनियों को नजरंदाज किए जाने का परिणाम है। उसके अनुसार इस तबाही में समूची दुनिया में बाढ़ के खतरे वाले इलाकों में बेतहाशा बस्तियों की बसावट पूरी तरह जिम्मेदार है। इसमें भारत, चीन, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, थाईलैंड जैसे देश शामिल हैं। यह जानते-समझते कि ऐसा करना तबाही को न्योता देना है फिर भी वे वहां बाढ़ के खतरे वाले इलाकों में तेजी से बस्तियों का निर्माण कर रहे हैं और पिछले दशकों में उन्होंने वहां बेशुमार ऐसे निर्माण कर लिए हैं। देखा जाए तो बीते चार दशक पहले की तुलना में बाढ़ के जोखिम वाले इलाकों के शहरों, कस्बों और गांवों की दोगुनी से भी ज्यादा जमीन पर कब्जा कर बस्तियों का निर्माण किया गया है।

इन देशों के अलावा शहरीकरण की दौड़ के चलते मध्यम आय वाले देशों ने भी उच्च जोखिम वाले भूमि के बहुत बड़े हिस्से पर निर्माण कार्य किए गए। विश्व बैंक के शोधकर्ताओं के अनुसार 1985 के बाद से दुनिया के बहुत बड़े बाढ़ के जोखिम वाले हिस्से में बनाई गई बस्तियों की तादाद 122 फीसदी बढ़ गई है, जबकि सबसे सुरक्षित देशों में यह प्रतिशत 80 है। अमरीका व यूरोप के कुछ देशों ने बाढ़ के जोखिम भरे इलाकों की तुलना में सुरक्षित इलाकों में ज्यादा विस्तार किया है। देखा गया है कि अब तो कुछ दशकों से बस्तियों के अलावा सुरक्षा और बिजली की मांग के मद्देनजर सुरक्षा संयंत्रों, प्रतिष्ठानों, बिजलीघरों,पन बिजली परियोजनाओं और उनमें कार्यरत कर्मियों के लिए आवासीय कालोनियों का निर्माण बाढ़ के जोखिम वाले इलाकों में आम हो गया है।

आदर्श रूप में मानव बस्तियां या ऐसे निर्माण बाढ़ के खतरे वाले इलाकों से दूर ही होने चाहिए, लेकिन अब बाढ़ के खतरों के जोखिम को धीरे-धीरे कम करने के बजाय कुछ देश इसे तेजी से बढ़ाने में लगे हैं। अधिकांश देशों जिनमें पूर्वी एशियाई देशों में शुष्क इलाकों की तुलना में नियमित बाढ़ वाले इलाकों और अति उच्च बाढ़ क्षेत्रों में ऐसे निर्माण तेजी से किए जा रहे हैं। ऐसे निर्माण में पूर्वी एशियाई देशों में 60 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। चीन और वियतनाम इसमें शीर्ष पर हैं जिन्होंने हाल के सालों में बाढ़ के जोखिम वाले इलाकों में तीन गुणा से भी ज्यादा बस्तियों का निर्माण किया है, जबकि साल 2015 तक मध्यम व उच्च बाढ़ के जोखिम वाले इलाकों में बस्तियों आदि के निर्माण का प्रतिशत 20 ही था। हाल फिलहाल इस मामले में लीबिया शीर्ष पर है जो बाढ़ के खतरों को तेजी से बढ़ा रहा है। इसका सबसे ज्यादा बुरा असर बच्चों पर पड़ा है। यूनीसेफ तथा इंटरनल डिस्प्लेसमेंट मॉनिटरिंग का साल 2016 से 2021 के बीच किया अध्ययन में खुलासा हुआ है कि भारत में बाढ़ और तूफान ने बीते छह सालों में 67 लाख बच्चों को घर से बेघर कर दिया है। ये बच्चे स्कूल छोड़ने पर भी मजबूर हुए हैं।

अध्ययन सबूत है कि बाढ़ और तूफान जैसी आपदाओं के चलते दुनिया में 4.3 करोड़ बच्चे मौसम की घटनाओं से विस्थापन को मजबूर हुए हैं। निष्कर्षतः अब यह साफ है कि अब भी समय है संभल जाओ,चेत जाओ, प्रकृति से छेड़छाड़ मत करो, पर्यावरणीय दिशा-निर्देशों और वैज्ञानिकों-पर्यावरणविदों की चेतावनियों की अवहेलना और विकास के नशे में मदमस्त हो पहाड़ों की प्रवृत्ति और प्रकृति को धता बताकर किया गया निर्माण ऐसी आपदाओं का प्रमुख कारण हैं जो भीषण तबाही को आमंत्रण देती हैं। काश आज से तकरीब चार दशक पहले प्रख्यात पर्यावरणविद् चंडी प्रसाद भट्ट की अगुआई वाली सिफारिशों पर सरकारों ने ध्यान दिया होता तो ऐसी आपदाओं से बचा जा सकता था जिनका जनक मानव स्वयं है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं पर्यावरणविद हैं।)

व्यंग्य

नहीं कराना सम्मान !

पूरन सरमा
व्यंग्यकार

चार दशक की साहित्य साधना के बाद मुझे होश आया कि सम्मान तो करवाया ही नहीं। मैंने भागा दौड़ी की तो लोग कहने लगे कि अब तक कहां थे? हमने तो अपने खेमे के सबको निपटा दिया किसी और किसी को पकड़ो! सूखा सा उत्तर पाकर मैं दूसरों के पास गया दूसरों ने भी टरका दिया। फिर हारकर मैं भ्रमर जी के पास पहुंचा। साहित्य के घाघ हैं। सारी ऊंच-नीच का पता है उन्हें। मुझे देखते ही बोले- ‘शर्मा धूप में बाल सफेद कर लिए। कागज काले करते रहे। लेखन के बूते पर सम्मान की आस लगाए बैठे रहे। पहले मिल लेते तो अब तक तो यह सम्मान की धारा भी पार कर लेते। खैर कोई बात नहीं, जागे वहीं सवेरा। अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा है। चलो तुम्हारा अमृत सम्मान करवा देंगे। बस थोड़ा सा पेंच है, वह तुम्हें ही भुगतना है।’

भ्रमर जी की अंतिम बात मैं समझा नहीं, सो मैंने पूछा- ‘क्या भुगतना है? इतना विपुल लिखने के बाद भी मुझे क्या करना पड़ेगा?’

भ्रमरजी हंसने लगे, बोले- ‘शर्मा, सम्मान-पुरस्कार जोड़-तोड़ के जुगाड़ हैं। तुम साहित्य साधना में लीन रहे, यही तुम्हारा माइनस पाइंट है। लिखने से कुछ नहीं होता। लिखने से किताब छप जायेगी, लेकिन सम्मान के लिए लोगों से लगाकर खाना पड़ता है। लिखने का नशा उतर जाये तो मैं तुम्हें एक पते की बात बताऊं?’

‘हां....... हां बताइये। मैं आप जो कहेंगे, वह करने को तैयार हूँ। साहित्य का सम्मान लिखने से ही तो मिलता है। ग्यारसी लाल जी और कजोड़मल जी जब सम्मान ले सकते हैं तो मैंने कोई घास थोड़े ही खोदी है।’ मैंने कहा तो भ्रमरजी बोले- ‘तुमने घास ही खोदी है शर्मा, जिनका तुम उदाहरण दे रहे हो, उन्होंने रोकड़ा खर्च करके सम्मान लिया है। अब पहले वाली बात नहीं है कि वर्क देखा और सम्मान दे दिया। आजकल तो सम्मान-पुरस्कार खुद के जुगाड़ हैं। तुम्हें लेना है तो अपना बजट बताओ, अपनी संस्था के बैनर तले तुम्हारा भी गंगा स्नान हो जायेगा। ग्यारसीलाल और कजोड़मल ने सम्मान के लिए तन-तन और धन तीनों लगा दिये थे। उनकी भक्ति भावना (चमचागिरी) को तुम क्या जानो भैया। भक्ति भावना व पैसे के बूते पर आज वे साहित्य शिरोमणि प्राप्त कर सके हैं। मूल्य बदल गये हैं, युग बदल गया है। अभी देखा नहीं, रामलाल जी जिस अकादमी के अध्यक्ष हैं, उसी से अपना सम्मान करवा लिया। उन्हें पता है, विलंब किया और सम्मान के लिए पापड़ बेलो कार्यक्रम शुरु हो जावेगा। इसलिए मेरी संस्था को धन देवो और सार्वजनिक मंच पर मालाएं पहनकर चहकते फिरो।’

भ्रमरजी की बातों से मेरी आंखें खुली की खुली रह गईं, लेकिन समस्या धन की थी। सम्मान के लिए धन कहां से लाऊँ। गृहस्थी की गाड़ी ही जब इस महंगाई में नहीं चल पा रही तो यह महंगा सम्मान कैसे प्राप्त करूंगा। मैंने भ्रमरजी से कहा- ‘मैं एक-दो दिन में आपसे मिलता हूँ।’ यह कहकर मैं सीधा किचन में पत्नी की शरण में पहुंचा। पत्नी बोली- ‘क्यों क्या बात है, मुंह लटकाये क्यों खड़े हो?’ मैं बोला- ‘सम्मान तो बहुत महंगे हो गये। जरा सी लापरवाही से अब पैनल्टी अलग लगेगी। मेरा मतलब सम्मान के लिए धन चाहिए।’

पत्नी बोली- ‘क्या करोगे सम्मान का। इससे बढ़िया तो बच्चों की फीस चुकाओ। पोते-पोती क्या सोचते होंगे कि बाबा उनके लिए कुछ नहीं करते। सम्मान से कुछ नहीं होता। लिखते-पढ़ते हो, यह कोई कम सम्मान की बात है।’ एक ही क्षण में पत्नी ने सम्मान की खुजली मिटा दी। मैं बोला- ‘तुम सही कहती हो। ऐसे सम्मान का क्या करेंगे, जो पैसों से मिलते हैं। मैं तो अपनी नयी किताब तैयार करता हूँ। पत्नी ने कहा- ‘मस्त रहो, काम करो। सम्मान तो अब गधों के होने लगे हैं। क्या तुम यही चाहते हो?’

मैं चुपचाप रसोई से निकल आया और अपने कमरे में आकर चुपचाप लिखने में लीन हो गया।

X

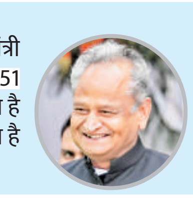

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री
@ashokgehlot51
अब सुरक्षा और काम है
महिलाओं का पूरा सम्मान है

नॉलेज कॉर्नर: महाराष्ट्र के अहमद नगर का हरिश्चंद्रेश्वर मंदिर

4 युगों को दर्शाते हैं केदारेश्वर के 4 स्तंभ

भारत का इतिहास सनातन संस्कृति के उपासकों के साथ जुड़ा होने के कारण देश में लाखों मंदिर है। देश में सैकड़ों साल पुराने ऐसे कई मंदिर है जिसके बारे में लोगों को अधिक जानकारी नहीं हैं। हम ऐसे ही महाराष्ट्र के मंदिर की बात कर रहे हैं जिसका इतिहास बहुत ही पुराना है और माना जाता हैं कि इस मंदिर का निर्माण लगभग 6वीं शताब्दी में शिलाहार परिवार शासित महाराष्ट्र और सह्याद्री से जांज द्वारा किया गया था। हम बात कर रहे हैं महाराष्ट्र के अहमद नगर में स्थित हरिश्चंद्रेश्वर मंदिर की। आइए आज के नॉलेज कॉर्नर में इस मंदिर के बारे में अधिक जानकारी पढ़ते हैं...

कई पुराणों में है मंदिर का उल्लेख

हरिश्चंद्रेश्वर मंदिर एक हिंदू मंदिर है जो कि भारत के राज्य महाराष्ट्र के अहमदनगर में स्थित है। हरिश्चंद्रेश्वर मंदिर का इतिहास महाराष्ट्र के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मंदिर तक पैदल जाया जाता है। यह मंदिर काफी प्राचीन है। इस मंदिर का उल्लेख मत्स्यपुराण, अग्निपुरारण और स्कंदपुराण में दिया गया है। यह मंदिर एक किले में स्थित है, जिसका नाम हरिश्चन्द्रगढ़ है। शिलाहार शाही परिवार के शासन ने महाराष्ट्र में चौथी शताब्दी से नौवीं शताब्दी दर्ज की और उनके शासन काल के

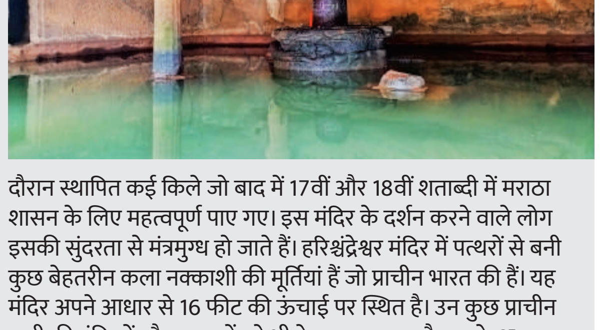

दौरान स्थापित कई किले जो बाद में 17वीं और 18वीं शताब्दी में मराठा शासन के लिए महत्वपूर्ण पाए गए। इस मंदिर के दर्शन करने वाले लोग इसकी सुंदरता से मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। हरिश्चंद्रेश्वर मंदिर में पत्थरों से बनी कुछ बेहतरीन कला नक्काशी की मूर्तियां हैं जो प्राचीन भारत की हैं। यह मंदिर अपने आधार से 16 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। उन कुछ प्राचीन पानी की टंकियों और गुफाओं को भी देखा जा सकता है। इसके अलावा, यह भी कहा जाता है कि मंगल गंगा नदी इन्हीं तालाबों में से एक से निकलती है जो मंदिर के निकट स्थित है।

शिवलिंग पर चार खंभे

हरिश्चंद्रेश्वर मंदिर की मुख्य गुफा में एक शिवलिंग मौजूद है। शिवलिंग के ऊपर एक विशाल चट्टान है। शिवलिंग के चारों तरफ चार स्तंभ बने थे। इन स्तंभों के बारे में वास्तव में कोई नहीं जानता, लेकिन कहा जाता है कि इन स्तंभों का निर्माण जीवन के चार ‘युगों’ - ‘सत्य युग’, ‘त्रेता युग’, ‘द्वापर युग’ और ‘कलियुग’ को दर्शाने के लिए किया गया था। जब एक युग अपने समय के अंत में आता है तो कहा जाता है कि एक स्तंभ टूट जाता है। तीन स्तंभ पहले ही टूट चुके हैं। आम धारणा यह है कि वर्तमान चरण ‘कलियुग’ है और जिस दिन चौथा स्तंभ टूट जाएगा, उसे वर्तमान युग का अंतिम दिन माना जाएगा। यह मंदिर 6वीं शताब्दी के दौरान हरिश्चंद्रगढ़ किले के अंदर कलचुरी राजवंश द्वारा बनाया गया था। सबसे महान संतों में से एक, चांगदेव यहां रुके थे।

विश्व प्रसिद्ध है यहां की गुफा

हरिश्चंद्रेश्वर मंदिर के पास तीन मुख्य गुफाएं हैं। हरिश्चंद्रेश्वर मंदिर के दाहिनी ओर जाने पर केदारेश्वर की विशाल गुफा है, जिसमें एक बड़ा शिव लिंग है, जो पूरी तरह से पानी से घिरा हुआ है। आधार से इसकी ऊंचाई पांच फीट है, और शिवलिंग के चारों पानी है जिसकी गहराई लगभग 3 फीट है।

कंटेंट: श्रवण भाटी

छत्तीसगढ़ की चुनाव परिक्रमा: पीएम मोदी व प्रियंका गांधी की 30 को दुर्ग जिले में चुनावी सभा

डिप्टी CM सिंहदेव के सामने BJP ने उनके पुराने साथी को दिया टिकट

■ भाजपा के सभी प्रत्याशी घोषित, चुनावी मुकाबलों की तस्वीर साफ

एजेंसी | रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा के लिए भाजपा ने शेष चार सीटों के लिए बुधवार को अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी। इसके साथ ही राज्य में सत्ता की मुख्य दावेदार दोनों पार्टियों के बीच चुनावी मुकाबले की तस्वीर साफ हो गई है। इसके साथ ही पार्टी ने राज्य की सभी 90 सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर दिया है।

बेलतरा से मौजूदा विधायक रजनीश सिंह को मायूसी हाथ लगी है। पार्टी ने उनका टिकट काट कर सुशांत शुक्ला को प्रत्याशी बनाया है। वहीं, अंबिकापुर से भाजपा ने डिप्टी सीएम टी एस सिंहदेव के खिलाफ राजेश अग्रवाल को टिकट दिया है। कसडोल से धनीराम धीवर और बेमेतरा से दीपेश साहू को टिकट मिला है। कांग्रेस पहले ही अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर चुकी है। राज्य में प्रथम चरण के लिए मतदान 7 नवंबर को होना है और चुनाव प्रचार पूरी तेजी पर है। कांग्रेस और भाजपा दोनों पार्टियों के दिग्गज नेता चुनावी दौरे कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार 30 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ के दुर्ग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी अपनी अपनी पार्टी की चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। वहीं, कई छोटी पार्टियां भी चुनाव मैदान में हैं और अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर रही हैं।

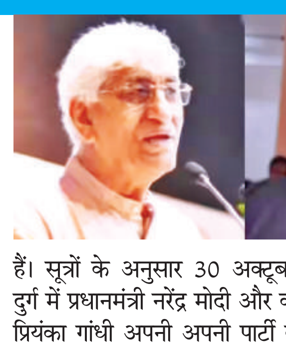

अंबिकापुर बनी हॉट सीट, कांग्रेस का है गढ़

छत्तीसगढ़ में पाटन के बाद दूसरी सबसे हाई प्रोफाइल सीट अंबिकापुर है। यह डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव का गढ़ मानी जाती है। पाटन से सीएम भूपेश बघेल चुनाव लड़ रहे हैं। अंबिकापुर से भाजपा प्रत्याशी राजेश अग्रवाल पहले कांग्रेस में रह चुके हैं और वे सिंहदेव के करीबी भी माने जाते थे। अग्रवाल 2018 में भाजपा में शामिल हुए थे। अग्रवाल वर्तमान में भाजपा की जिला कार्यसमिति के सदस्य हैं। अंबिकापुर 2008 में परिसीमन के बाद सामान्य सीट हो गई थी और तब से इस सीट से सिंहदेव लगातार तीन बार निर्वाचित हो चुके हैं। इस मुश्किल सीट पर भाजपा ने सिंहदेव के कभी करीबी रहे राजेश अग्रवाल को टिकट देकर सियासी दांव खेला है।

45 नए चेहरों को दिया गया टिकट

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पार्टी भारी बहुमत के साथ सरकार बनेगी। हमने 45 से अधिक नए चेहरों को टिकट दिया है, जो पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। इसके साथ पुराने और अनुभवी नेताओं को टिकट दिया गया है। हमने एक मजबूत टीम चुनावी मैदान में उतारा है।

हमने हर वर्ग के उत्थान के लिए किया है काम: भूपेश बघेल

इस बीच, राज्य के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हमारी सरकार ने बीते पांच वर्ष में किसान, गरीब, मजूदर समेत सभी वर्ग के उत्थान के लिए काम किया है। वहीं प्रदेश में 15 साल तक रहीं भाजपा सरकार ने घोटाले किए हैं। बघेल बेमेतरा में बुधवार को साजा, बेमेतरा व नवागढ़ के कांग्रेस प्रत्याशियों के नामांकन दाखिल करने के मौके पर पार्टी की ओर से आयोजित आमसभा व रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पांच वर्ष के दौरान केन्द्र की मोदी सरकार हमेशा रोड़ा बनी है। हाल में धान खरीदी को लेकर केन्द्र की सरकार बायोमेट्रिक सिस्टम को लागू करवा रही है। इसके अलावा ईडी-आईटी के माध्यम से हमें परेशान किया जा रहा है।

BJP को झटका, पूर्व MLA रेड्डी थामेंगे कांग्रेस का हाथ

हैदराबाद। तेलंगाना में अगामी विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा को सियासी झटका लगा है। भाजपा नेता व पूर्व विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने पार्टी छोड़ने की घोषणा की है। कहा जा रहा है कि रेड्डी अब कांग्रेस का दामन थाम सकते हैं। रेड्डी ने मुनुगोडे विधानसभा सीट से उपचुनाव लड़ा था। हालांकि, उन्हें सफलता नहीं मिली थी। गौरतलब है कि भाजपा की जारी उम्मीदवारों की पहली सूची में रेड्डी का नाम शामिल नहीं था। राजगोपाल भोंगिर से कांग्रेस सांसद वेंकट रेड्डी के छोटे भाई हैं। वह पिछले साल अगस्त में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे।

BRS-BJP पर कांग्रेस का तंज, कार्ड किया शेयर

हैदराबाद। कांग्रेस ने तेलंगाना में सत्तारूढ़ बीआरएस पर तंज कसा है और उसे भाजपा की 'बी' टीम के रूप में दर्शाने का प्रयास किया है। तेलंगाना कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर दोनों की शादी का निमंत्रण पत्र पोस्ट कर मखौल उड़ाया गया है। पोस्ट में कांग्रेस ने शादी का निमंत्रण पत्र शेयर करते हुए लिखा है- 'बीआरएस ने भाजपा से शादी की है। शादी के इस प्रतीकात्मक कार्ड को कांग्रेस ने कुछ इस तरह से डिजायन करवाया है, जिसमें बीआरएस और बीजेपी के झंडों के रंगों का मिश्रण नजर आए। इसमें केसीआर की पार्टी बीआरएस के गुलाबी रंग और बीजेपी के केसरिया रंग का मिश्रण दिखाया गया है। उधर, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि हमें पूरा भरोसा है कि पांचों राज्यों में कांग्रेस पार्टी की जीत होगी।

राहुल ने लिया सत्यपाल मलिक का इंटरव्यू, कई मुद्दों पर बातचीत

छह महीने की और बात है, ये सत्ता में नहीं आएंगे: मलिक

एजेंसी | नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी ने जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक से कई मुद्दों पर बातचीत की है। इस दौरान राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर, पुलवामा, अडाणी मामला, नई संसद, महिला आरक्षण और किसानों से जुड़े सवाल पूछे। राहुल ने इस बातचीत को सोशल मीडिया पर शेयर किया है। बातचीत के दौरान मलिक कहते हैं कि छह महीने की और बात है। मैं लिखकर दे रहा हूं कि ये सत्ता में नहीं आएंगे।

वीडियो में राहुल गांधी यह कहते नजर आ रहे हैं कि मैंने देखा है जब भी इस सरकार पर कोई दबाव आता है... जैसे जाति जनगणना की बात हो, अडाणी की बात हो या किसानों के लिए एमएसपी की बात हो, ये सरकार कोई न कोई शिगूफा छोड़ देती है। इस बातचीत को राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर करते हुए लिखा, क्या ये संवाद ED-CBI की भाग दौड़ बढ़ा देगा?

J&K को राज्य का दर्जा किया जाए बहाल

राहुल गांधी ने पूछा कि जब आप (सत्यपाल मलिक) जम्मू कश्मीर में थे तो काफी पेचीदा समय था। इस पर आपकी क्या राय है? इस पर मलिक ने कहा, मेरी राय है कि वहां के लोगों को जबरदस्ती या सेना से ठीक नहीं कर सकते। वहां के लोगों को जीतकर आप कुछ भी कर सकते हैं। मैंने उन लोगों को विश्वास में लिया था। समस्या का समाधान करने के लिए पहले तो राज्य का दर्जा वापस देना चाहिए है।

MSP: सरकार वादा निभाने में विफल

मलिक ने कहा कि सरकार एमएसपी पर अपना वादा निभाने में विफल रही क्योंकि अडाणी ने बड़े-बड़े गोदाम बनाए हैं। औने-पौने दाम पर फसलें खरीदीं, अगले साल उनकी कीमतें बढ़ेंगी और वह उन्हें बेचेंगे। अगर एमएसपी लागू होता है, तो किसान अपने उत्पाद सस्ती दर पर नहीं बेचेंगे।

पुलवामा मामला: सीआरपीएफ ने केंद्र सरकार से मांगे थे पांच विमान

वीडियो में मलिक ने 2019 पुलवामा हमले के लिए सरकार की खामियों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने यह बात भी दोहराई है कि 'दो चैनलों को उन्होंने बताया कि यह हमला हमारी गलती से हुआ, लेकिन मुझसे कहा गया कि इसे कहीं भी न कहें। मलिक ने पुलवामा हमले के कारण भी बताए। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ की ओर से पांच विमानों के लिए आग्रह किया गया था, लेकिन चार महीनों तक उनका आवेदन गृह मंत्रालय में पड़ा रहा, जिसे बाद में अस्वीकार कर दिया गया। आवेदन अस्वीकार होने के बाद जवानों ने सड़क से जाने का फैसला किया, जिसे पहले से ही असुरक्षित माना जा रहा था। उन्होंने कहा, अगर उनसे विमानों के लिए कहा गया होता तो मैं तुरंत ही इंतजाम कर सकता था।

मुझे एक कमरे में लॉक कर दिया: राहुल

वहीं राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि जब वे शहीदों के परिजनों से मिलने गए तो एयरपोर्ट पर पहुंचते ही उन्हें सुरक्षा का हवाला देकर एयरपोर्ट पर एक कमरे में लॉक कर दिया गया। बाद में कहा गया कि सुरक्षा कारणों से ऐसा किया गया।

मणिपुर में कोई नियंत्रण नहीं

सत्यपाल मलिक ने मणिपुर हिंसा का जिक्र करते हुए कहा कि नॉर्थ ईस्ट स्थिर था, लेकिन इन्होंने (केंद्र और राज्य सरकार) ने अशांत कर दिया। सरकार का मणिपुर में कोई नियंत्रण नहीं है।

छत्तीसगढ़ में एक भाषण का मामला

कांग्रेस ने शाह व हिमंत सरमा के खिलाफ EC को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी | नई दिल्ली

कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के खिलाफ चुनाव आयोग से शिकायत की है। जिसमें आरोप लगाया गया है कि भाजपा नेताओं ने छत्तीसगढ़ में चुनाव सभाओं के दौरान समाज के कुछ वर्गों को एक दूसरे के खिलाफ भड़काने की नीयत से बयान दिए जो आचार संहिता का उल्लंघन हैं।

कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद, अजय माकन, जयराम रमेश, रेवंत रेड्डी बुधवार को चुनाव आयोग पहुंचे और यह शिकायत दर्ज कराई। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, हमने आठ शिकायतें की है। पहली शिकायत केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ थी, जिसे लेकर कांग्रेस ने पहला ज्ञापन दिया है। यह ज्ञापन गृहमंत्री के छत्तीसगढ़ में दिए गए एक बयान को लेकर है। दूसरा ज्ञापन असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा की ओर से छत्तीसगढ़ में 18 अक्टूबर को दिए गए बयान को लेकर है।

तेलंगाना को लेकर हैं शिकायतें

जयराम रमेश ने कहा कि इसके अलवा बाकी की चार शिकायतें तेलंगाना को लेकर की गई है। सलमान खुर्शीद ने कहा, कांग्रेस ने लोगों का ध्यान भटकाने के लिए विभाजनकारी मुद्दे उठाने को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और असम के सीएम सरमा के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराई है। उनका बयान चुनाव के माहौल को प्रभावित करेगा. कांग्रेस को उम्मीद है कि चुनाव आयोग सभी शिकायतों पर कार्रवाई करेगा। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में चुनावी सभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर तुष्टिकरण का आरोप लगाया था। उन्होंने बेमेतरा हिंसा को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर निशाना साधा था।

एमपी: कांग्रेस ने सीएम चौहान पर साधा निशाना

सरकार बनी तो प्रदेश में स्वास्थ्य का अधिकार कानून बनाएंगे: कमलनाथ

एजेंसी | भोपाल

मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर सियासी प्रहार करते हुए बुधवार को कहा कि अपने 18 साल के कार्यकाल में उन्होंने मध्य प्रदेश को स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में देश के सबसे पिछड़े राज्यों में शामिल कर दिया है।

यहां बीमार और गर्भवती महिलाओं को एंबुलेंस नहीं मिलती, आयुष्मान कार्ड धारकों को इलाज नहीं मिलता, मृतकों का उपचार दिखाकर घोटाला किया जाता है और व्यापम तथा नर्सिंग कॉलेज जैसे घोटालों से प्रदेश की छवि खराब की जाती है।

कमलनाथ ने बुधवार को सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि कांग्रेस पार्टी ने इन हालात को बदलने का संकल्प लिया है। प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनते ही हम स्वास्थ्य का अधिकार कानून बनाएंगे। प्रदेश के नागरिकों के लिए वरदान स्वास्थ्य बीमा योजना प्रारंभ करेंगे, जिसमें परिवार सहित 25 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा एवं 10 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा शामिल रहेगा। स्वस्थ मध्यप्रदेश, खुशहाल मध्यप्रदेश।

मिजोरम विधानसभा चुनाव: आप उम्मीदवार के पास सबसे ज्यादा संपत्ति

112 प्रत्याशी करोड़पति, एंड्रयू सबसे अमीर

एजेंसी | आइजोल

मिजोरम विधानसभा की 40 सीटों के लिए 7 नवंबर को मतदान होगा। राज्य में चुनाव मैदान में उतरे 174 उम्मीदवारों में से 112 प्रत्याशी करोड़पति हैं। इनमें से आप की राज्य इकाई के अध्यक्ष एंड्रयू ललरेमकिमा पाचुआउ 68.93 करोड़ रुपए की घोषित संपत्ति के साथ सबसे अमीर हैं। वह आइजोल उत्तर-तृतीय निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं।

सर्वाधिक घोषित संपत्ति के मामले में कांग्रेस के आर वनलललत्लुआंगा (सेरछिप सीट) दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 55.6 करोड़ रुपए की संपत्ति की घोषणा की है, जबकि जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के एच गिन्जालाला (चम्फाई नॉर्थ) 36.9 करोड़ रुपए की घोषित संपत्ति के साथ तीसरे स्थान पर हैं। सेरछिप सीट से निर्दलीय उम्मीदवार रामहुन-एडेना के पास सबसे कम संपत्ति है। उनके पास 1,500 रुपए की चल संपत्ति है।

रुआलछिंगा ने बताई 90 करोड़ की प्रॉपर्टी

निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किए गए अपने हलफनामे में, लौंगतलाई पश्चिम से भाजपा उम्मीदवार जे बी रुआलछिंगा ने गलती से अपनी संपत्ति 90.32 करोड़ रुपए घोषित कर दी है। पार्टी ने निर्वाचन विभाग से इसमें सुधार करने का अनुरोध किया है।।

सीएम जोरमथंगा की संपत्ति 5 करोड़ रुपए

एमएनएफ अध्यक्ष और मुख्यमंत्री जोरमथंगा पांच करोड़ की संपत्ति के साथ पांच प्रतिस्पर्धी राजनीतिक दलों के अध्यक्षों में सबसे अमीर हैं। चुनावी मैदान में उतरीं 16 महिला उम्मीदवारों में से कांग्रेस उम्मीदवार मरियम एल. ह्वांगचल (लुंगलेई दक्षिण) 18.63 करोड़ की संपत्ति के साथ सबसे अमीर हैं।

80 वर्षीय डिप्टी CM तावंलुइया भी मैदान में

तुइचांग सीट से दूसरी बार चुनाव लड़ रहे उपमुख्यमंत्री तावंलुइया सबसे अधिक आयु के उम्मीदवार हैं। वह 80 वर्ष के हैं, जबकि महिला उम्मीदवार ललरुआतफेली ह्लावंडो और भाजपा उम्मीदवार एफ वनमिंगथांगा सबसे कम उम्र के उम्मीदवार हैं। उनकी आयु 31 वर्ष है।

मध्य प्रदेश की चुनावी डायरी

कांग्रेस का यू टर्न: असंतोष बढ़ा तो पार्टी ने 4 प्रत्याशियों का बदला टिकट

एजेंसी | भोपाल

टिकट वितरण के बाद पार्टी के अंदर मचे घमासान के बीच कांग्रेस असंतुष्टों की नाराजगी दूर करने के लिए चार प्रत्याशियों को बदला दिया है। यह बदलाव सभी 230 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा के बाद किया गया है। जिन चार सीटों पर प्रत्याशी बदले गए हैं, उसमें सुमावली, पिपरिया, बड़नगर और जावरा विधानसभा सीट शामिल हैं।

इन सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा के साथ ही भारी विरोध शुरू हो गया था। इसके बाद पार्टी ने यह कदम उठाया है। अब अटकलें यह भी है कि पार्टी कुछ सीटों पर और भी उम्मीदवार बदल सकती है।

कुशवाह व मोरवाल को फिर से टिकट

पार्टी ने मौजूदा विधायक अजब सिंह कुशवाहा और मुरली मोरवाल को फिर से प्रत्याशी बनाया है। एआईसीसी की ओर से जारी सूची के अनुसार सुमावली से कुलदीप सिकरवार को बदलकर विधायक अजब सिंह कुशवाहा को, पिपरिया से गुरुचरण खरे की जगह विरेंद्र बेलवंशी को, बड़नगर से राजेन्द्र सिंह सोलंकी की जगह मुरली मोरवाल को और जावरा से हिम्मत श्रीमाल की जगह वीरेंद्र सिंह सोलंकी को टिकट दिया गया है।

टिकट कटा तो बसपा में चले गए थे कुशवाहा

सुमावली में कांग्रेस को सबसे अधिक बगावत झेलनी पड़ रही थी। मौजूदा विधायक अजब सिंह कुशवाहा कांग्रेस से इस्तीफा देकर बसपा में शामिल हो गए थे। विरोध के सुर को देखते हुए कांग्रेस को का अपना फैसला बदलना पड़ा। वहीं, बड़नगर में मोरवाल के समर्थकों के विरोध के कारण पार्टी बैकफुट पर आ गई है और फिर उन्हें फिर से टिकट दे दिया।

दूसरी सूची में भी तीन सीटों पर किया था बदलाव

इससे पहले कांग्रेस ने अपनी दूसरी सूची में भी तीन प्रत्याशी बदले थे। पार्टी ने गोटेगांव सीट से पूर्व विधायक शेखर चैधरी का टिकट बदलकर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष नर्मदा प्रसाद प्रजापति को उम्मीदवार बनाया, दतिया से गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के खिलाफ अवधेश नायक का टिकट बदलकर राजेंद्र भारती को टिकट दिया। इसी तरह पिछोर सीट से शैलेंद्र सिंह की जगह अरविंद सिंह लोधी को टिकट दे दिया।

सीएम चौहान का कटाक्ष, कांग्रेस बन गई टिकट बदल पार्टी

भोपाल में बुधवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस की हालत अजब गजब हो गई है। सोनिया कांग्रेस, खरगे कांग्रेस बनी, फिर मध्य प्रदेश में कमलनाथ कांग्रेस हो गई। कमलनाथ जी ने तो क्या, उनके बेटे ने भी टिकट बांट दिए। फिर जब टिकट को लेकर शोर मचा तो लोग कमलनाथ जी के पास पहुंचे। उसके बाद कमलनाथ जी ने कहा कि कपड़े फाड़ना है तो दिग्विजय सिंह और जयवर्धन सिंह के फाड़ो। इस तरह वह कपड़ा फाड़ कांग्रेस हो गई। अब कांग्रेस बन गई है टिकट बदल कांग्रेस।

निशा बांगरे ने कहा- मैं चुनाव लड़ूंगी, कांग्रेस बताए रुख

मध्य प्रदेश में डिप्टी कलेक्टर रही निशा बांगरे सरकारी सेवा से इस्तीफा मंजूर होने के बाद अब चुनाव लड़ने की तैयारी में है। बांगरे ने कहा है कि मैं आमला सीट से चुनाव लड़ूंगीं। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ से मिलने की इच्छा जताते हुए कहा कि मैं उनसे जानूंगी कि मेरे चुनाव लड़ने पर उनका रुख क्या है। बांगरे ने कहा कि जब मैं संघर्ष कर रही थी, तब कांग्रेस ने मुझे साथ देने की बात कही थी। जब मेरी गिरफ्तारी हुई तब भी कांग्रेस के नेता मेरे साथ थे। उन्होंने मुझे आश्वासन दिया था कि अंतिम दो दिन तक आपके इस्तीफे का इंतजार किया जाएगा।

जरूरी खबर

केरल के मंदिरों में RRS की गतिविधि पर लगाई रोक

तिरुअनंतपुरम। केरल के त्रावणकोर क्षेत्र में प्रमुख मंदिरों का प्रबंधन संभालने वाले त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड ने एक नया परिपत्र जारी कर मंदिर परिसरों और अपनी संपत्तियों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों को प्रतिबंधित कर दिया है। देवस्वओम आयुक्त द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार, उसके मंदिरों के परिसर के अंदर 'नामजपा विरोध प्रदर्शन' (मंत्रों का जाप करके विरोध प्रदर्शन) पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। कहा गया है कि अनुमति के बिना आरएसएस और अन्य ऐसी विचारधारा वाले संगठनों की सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। बीस अक्टूबर को जारी परिपत्र में देवस्वओम सतर्कता शाखा को निर्देशित किया गया है कि वह यह पता लगाने के लिए औचक छापेमारी करे कि क्या आरएसएस या अन्य संगठन मंदिर की संपत्तियों में शाखाएं, सामूहिक अभ्यास या हथियार प्रशिक्षण आयोजित कर रहे हैं या नहीं। यदि ऐसे संगठनों की उपस्थिति है और उनकी गतिविधियां संचालित हो रही हैं तो इस बारे में टीडीबी प्रबंधन को सूचित किया जाए।

दिल्ली दंगा : हत्या लूटपाट के मामले में 11 आरोपी बरी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों से संबंधित एक मामले में बुधवार को 11 आरोपियों को बरी कर दिया और कहा कि वे दंगों की अन्य घटनाओं में संलिप्तता के कारण वर्तमान मामले में आगजनी और हत्या की घटना के लिए परोक्ष रूप से उत्तरदायी नहीं हो सकते हैं। अदालत ने हालांकि एक आरोपी के खिलाफ दंगा, हत्या और आगजनी के आरोप तय करने का आदेश देते हुए कहा कि सबूतों से पता चलता है कि वह उस दंगाई भीड़ का हिस्सा था जो हिंदूओं और उनकी संपत्तियों के खिलाफ कृत्यों में लिप्त था।

पत्नी को नौकरी के लिए नहीं कर सकते मजबूर

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि सिर्फ इसलिए कि पत्नी स्नातक तक की पढ़ाई कर चुकी है, उसे नौकरी के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता और यह नहीं माना जा सकता कि वह अलग रह रहे पति से गुजारा भत्ता पाने के लिए जानबूझकर काम नहीं कर रही। अदालत एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें एक व्यक्ति ने इस आधार पर पत्नी को दिए जाने वाले अंतरिम गुजारा भत्ते की राशि 25 हजार रुपए से घटाकर 15 हजार रुपए करने का अनुरोध किया था कि वह विज्ञान में स्नातक तक पढ़ी हुई है।

अयोध्या में तेजी से जारी है राम मंदिर का निर्माण

फोटो: राजेश कुमावत

अयोध्या। अयोध्या में प्रभु श्रीराम का विशाल मंदिर 2.7 एकड़ भूमि में मूर्तरूप ले रहा है। मंदिर निर्माण का कार्य तेजी के साथ जारी है। फोटो में निर्माणाधीन मंदिर और वहां जारी कार्य।

मंदिर निर्माण समिति ने पीएम मोदी को किया आमंत्रित

22 जनवरी को गर्भ गृह में विराजेंगे रामलला

एजेंसी | नई दिल्ली/ लखनऊ

अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तारीख तय हो गई है। 22 जनवरी को रामलला नए बने राम मंदिर के गर्भगृह में विराजमान हो जाएंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौजूद रहेंगे। खुद पीएम मोदी ने इसकी जानकारी दी है।

श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बुधवार को राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा, ट्रस्ट के अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में आने के लिए आमंत्रित किया। जिस पर प्रधानमंत्री मोदी ने सहमति दे दी है।

यह बोले चंपत राय

पीएम मोदी से मुलाकात के बाद चंपत राय ने कहा, हमने पीएम मोदी को अयोध्या पाधकर नए बन रहे मंदिर के गर्भगृह में भगवान राम के नूतन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा अपने करकमलों से करने का निवेदन किया। प्रसन्नता की बात है कि उन्होंने हमारा निवेदन स्वीकार किया। वह प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर अयोध्या में उपस्थित रहेंगे।

यह कहा पीएम मोदी ने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसकी जानकारी सोशल मीडिया साइट एक्स पर देते लिए लिखा कि जय सियाराम! आज का दिन बहुत भावनाओं से भरा हुआ है। अभी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारी मुझसे मेरे निवास स्थान पर मिलने आए थे। उन्होंने मुझे श्रीराम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर अयोध्या आने के लिए निमंत्रित किया है। मैं खुद को बहुत धन्य महसूस कर रहा हूं। ये मेरा सौभाग्य है कि अपने जीवनकाल में, मैं इस ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बनूंगा।

योगी ने जताई प्रसन्नता

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्राण प्रतिष्ठा की तारीख तय होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने रामायण की चौपाई लिखकर एक्स पर यह कहा:-

जासु बिरहं सोचहु दिन राती
रटहु निरंतर गुन गन पाती।।
रघुकुल तिलक सुजन सुखदाता।
आयउ कुसल देव मुनि त्राता।।

केंद्रीय कैबिनेट ने दी किसानों को बड़ी राहत

खाद नहीं होगी महंगी, मिलेगी सब्सिडी

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय कैबिनेट ने रबी सीजन के लिए फॉस्फेटयुक्त और पोटाशयुक्त उर्वरकों के लिए 22,303 करोड़ रुपए की सब्सिडी को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कैबिनेट मीटिंग के बाद बताया कि दुनिया में डीएपी की कीमतें बढ़ी हैं, लेकिन हमारी सरकार पहले की तरह ही किसानों को 1,350 रुपए प्रति बोरी की दर से डीएपी देना जारी रखेगी। इसके अलावा नाइट्रोजन फास्फोरस और पोटेशियम (एनपीके) 1470 रुपएप्रति बोरी की कीमत पर मिलेगी। ठाकुर ने बताया कि आगामी रबी सीजन में नाइट्रोजन के लिए 47.2 रुपए प्रति किलो, फॉस्फोरस के लिए 20.42 रुपए प्रति किलो, पोटाश के लिए 2.38 रुपए प्रति किलो और सल्फर के लिए 1.89 रुपए प्रति किलो सब्सिडी प्रदान की जाएगी। इसके लिए कुल 22 हजार 303 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी गई है। ठाकुर ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुई कैबिनेट की बैठक में सरकार ने किसानों के हित में निर्णय लिया है। सरकार ने फैसला किया है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती हुई खादों की कीमतों का प्रभाव हम भारत के किसानों पर नहीं पड़ने देंगे।

पूरी क्षमता से चलाएं थर्मल पावर प्लांट

नई दिल्ली। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के बीच केंद्र ने बिजली की बढ़ती मांग और घरेलू कोयले की आपूर्ति में कमी को देखते हुए आयातित कोयले से संचालित थर्मल पावर प्लांट को 30 जून, 2024 तक पूरी क्षमता के साथ उत्पादन चालू रखने का निर्देश दिया है। ऊर्जा मंत्रालय ने एक अधिसूचना में यह कहा है।

एक राष्ट्र-एक चुनाव को लेकर बैठक

2024 में लागू करना संभव नहीं 2029 में बन सकती है बात

एजेंसी | नई दिल्ली

लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने की संभावनाओं को तलाशने के लिए केंद्र सरकार की ओर से गठित उच्चस्तरीय समिति ने बुधवार को अपनी दूसरी बैठक की है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अगुवाई में हुई समिति की इस बैठक में लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी के इस्तीफे पर जहां मुहर लगाई गई, वहीं विधि आयोग ने इसे लेकर अपने सुझावों को कमेटी के सामने रखा है। इसे लेकर आयोग ने एक प्रस्तुति भी दी है।

आयोग की ओर से एक पूरा रोडमैप पेश किया गया। सूत्रों के मुताबिक, आयोग ने कमेटी को बताया कि फिलहाल 2024 के चुनाव में एक राष्ट्र-एक चुनाव को लागू करना संभव नहीं है, लेकिन 2029 में इसको लागू किया जा सकता है। आयोग ने जानकारी दी है कि इसे लागू करने के लिए कानून और संविधान में क्या संशोधन करने पड़ेंगे। जानकारी के मुताबिक, विधि आयोग की अध्यक्ष न्यायाधीश रितुराज अवस्थी ने सदस्यों के साथ देश में एक साथ चुनाव कराने के रोडमैप पर चर्चा के लिए उच्चस्तरीय समिति से मुलाकात की। पैनल ने देश में एक साथ चुनाव कैसे कराए जा सकते हैं, इस पर विचार के लिए विधि आयोग को आमंत्रित किया था।

समिति इस दूसरी बैठक में पिली बैठक के बिंदुओं की प्रगति को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान समिति के सचिव नितेन चंद्रा ने बताया कि समिति के सामने अपने सुझाव रखने के लिए छह राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के साथ ही कुल 46 राजनीतिक दलों को चिट्ठी भेजी गई है।

इनमें 33 राज्यों के राजनीतिक दल है, जबकि सात पंजीकृत गैर- मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल भी शामिल है। समिति ने इस दौरान वित्तीय वर्ष 2023-24 के अपने बजट को मंजूरी दी। सूत्रों के मुताबिक, पार्टियों से परस्पर सहमत तिथि पर बातचीत करने को कहा गया है। पार्टियों को अगले तीन महीनों में अपने विचार लिखित रूप में भेजने का विकल्प भी दिया गया है।

ये मौजूद थे बैठक में

बैठक में पूर्व राष्ट्रपति के अतिरिक्त गृह मंत्री अमित शाह, राज्यसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, पंद्रहवें वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष एन के सिंह, लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष कश्यप, कानूनविद हरीश साल्वे और पूर्व सीवीसी संजय कोठारी शामिल थे। इस मौके पर समिति ने अपनी एक वेबसाइट भी लॉन्च की है।

राष्ट्रपति भवन में अंतरधार्मिक बैठक

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में एक अंतरधार्मिक बैठक को संबोधित किया। राष्ट्रपति ने कहा कि प्रेम और करुणा के बिना मानवता का अस्तित्व नहीं है।

पैनल ने की अहम बदलाव की सिफारिश

एनसीईआरटी की किताबों में अब इंडिया की जगह लिखा होगा भारत

एजेंसी | नई दिल्ली

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान संस्थान और प्रशिक्षण परिषद यानी एनसीईआरटी की किताबों में अब इंडिया नाम की जगह भारत लिखा जाएगा।

सूत्रों का दावा है कि किताबों में आवश्यक परिवर्तनों को लेकर बने पैनल के प्रस्ताव को एनसीईआरटी ने मंजूरी दे दी है। साथ ही समिति ने हिंदू योद्धाओं की वीरगाथाओं को भी पुस्तकों का हिस्सा बनाने का सुझाव दिया है। इस बीच, विपक्ष के कई नेताओं ने इस पर आपत्ति करते हुए भाजपा पर निशाना साधा है। नई शिक्षा नीति 2020 के आने के बाद एनसीईआरटी अपने सिलेबस में बदलाव कर रहा है। जिसके तहत सिलेबस में कई तरह के संशोधन भी किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सिलेबस में बदलावों को लेकर बीते दिनों 19 सदस्यीय समिति का भी गठन किया गया था। समिति के अध्यक्ष सीआई इसाक के अनुसार पैनल ने पाठ्यक्रम की किताबों में इंडिया शब्द को बदलकर भारत करने की सिफारिश की थी।

इसाक ने पाठ्यपुस्तकों में 'प्राचीन इतिहास' की जगह पर 'क्लासिकल हिस्ट्री' पढ़ाने की शुरुआत करने की सिफारिश करने के साथ सभी विषयों के लिए पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) शुरू करने की सिफारिश की। उन्होंने कहा, समिति ने हिंदू राजाओं की युद्ध में जीत को पढ़ाने की सिफारिश की है। अभी किताबों में हमारी हार को दर्शाया गया है, लेकिन मुगलों और सुल्तानों पर हमारी जीत को नहीं बताया गया है। उधर, एनसीईआरटी के अध्यक्ष दिनेश सकलानी का कहना है कि समिति की सिफारिशों पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

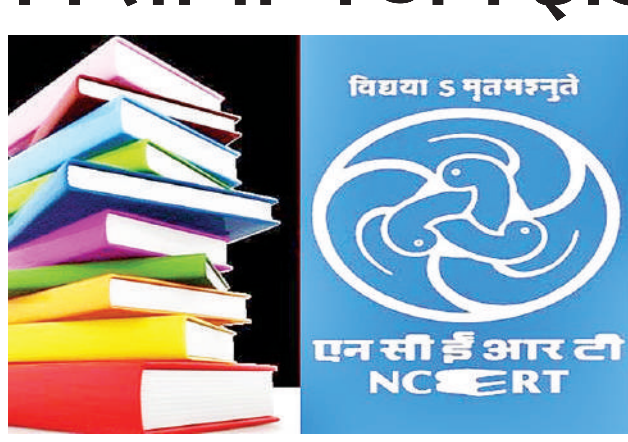

समिति में शामिल हैं ये विशेषज्ञ

सीआई इसाक इंडियन काउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च के सदस्य हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत एनसीआरटी अपने पाठ्यक्रम में बदलाव कर रही है। इस 19 सदस्यीय समिति में आईसीएचआर के चेयरपर्सन राघवेंद्र तंवर, जेएनयू की प्रोफेसर वंदना मिश्रा, डेक्कन कॉलेज डीम्ड यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर वसंत शिंदे और हरियाणा सरकार के स्कूल में सोशियोलॉजी पढ़ाने वाली ममता यादव शामिल हैं।

सितंबर में शुरू हो गई थी चर्चाएं

एनसीईआरटी पैनल की सिफारिश उस वक्त की गई है, जब सियासी हलको में इंडिया नाम को बदलकर भारत रखने पर राजनीतिक चर्चाएं जोरों पर हैं। इंडिया से बदलकर भारत नाम रखे जाने की सुगबुगाहट सितंबर में तब शुरू हुई जब जी20 के आयोजन के दौरान भारत की राष्ट्रपति के नाम से भेजे गए निमंत्रण पत्र में 'प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया' की बजाए 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' लिखा गया था।

कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने भाजपा पर किया प्रहार, लगाए आरोप

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि 'इंडिया' शब्द उतना ही गौरवशाली है जितना कि 'भारत', लेकिन सत्तारूढ़ दल और सरकार 'एक पूरी पीढ़ी को उस शब्द से नफरत करने की शिक्षा देना चाहती है जिसके प्रति हम बहुत गर्व महसूस करते हुए बड़े हुए हैं।उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा न तो 'भारत' को लेकर गंभीर है और न ही 'इंडिया' को लेकर गंभीर है। वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि नाम बदलना सिर्फ ध्रुवीकरण का प्रयास मात्र है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता अंबिका सोनी ने, 'संविधान में लिखा है 'इंडिया' जो 'भारत' है. दोनों नाम एक हैं। राजद के सांसद मनोज झा ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन के गठन के बाद से यह भाजपा शासन की एक उन्मादी प्रतिक्रिया रही है। उन्होंने दावा किया, अगर इंडिया गठबंधन अपना नाम बदलकर 'भारत' कर लेता है तो क्या वे देश का नाम बदलकर 'जंबूद्वीप' या कोई और नाम रखेंगे। द्रमुक के प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने कहा कि भाजपा अपने कुशासन से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए नाम बदलने की राजनीति कर रही है।

थैलापति विजय की मूवी ने शाहरुख खान की जवान और पठान को पीछे छोड़ा

लियो ने छुआ गदर2 का रिकॉर्ड

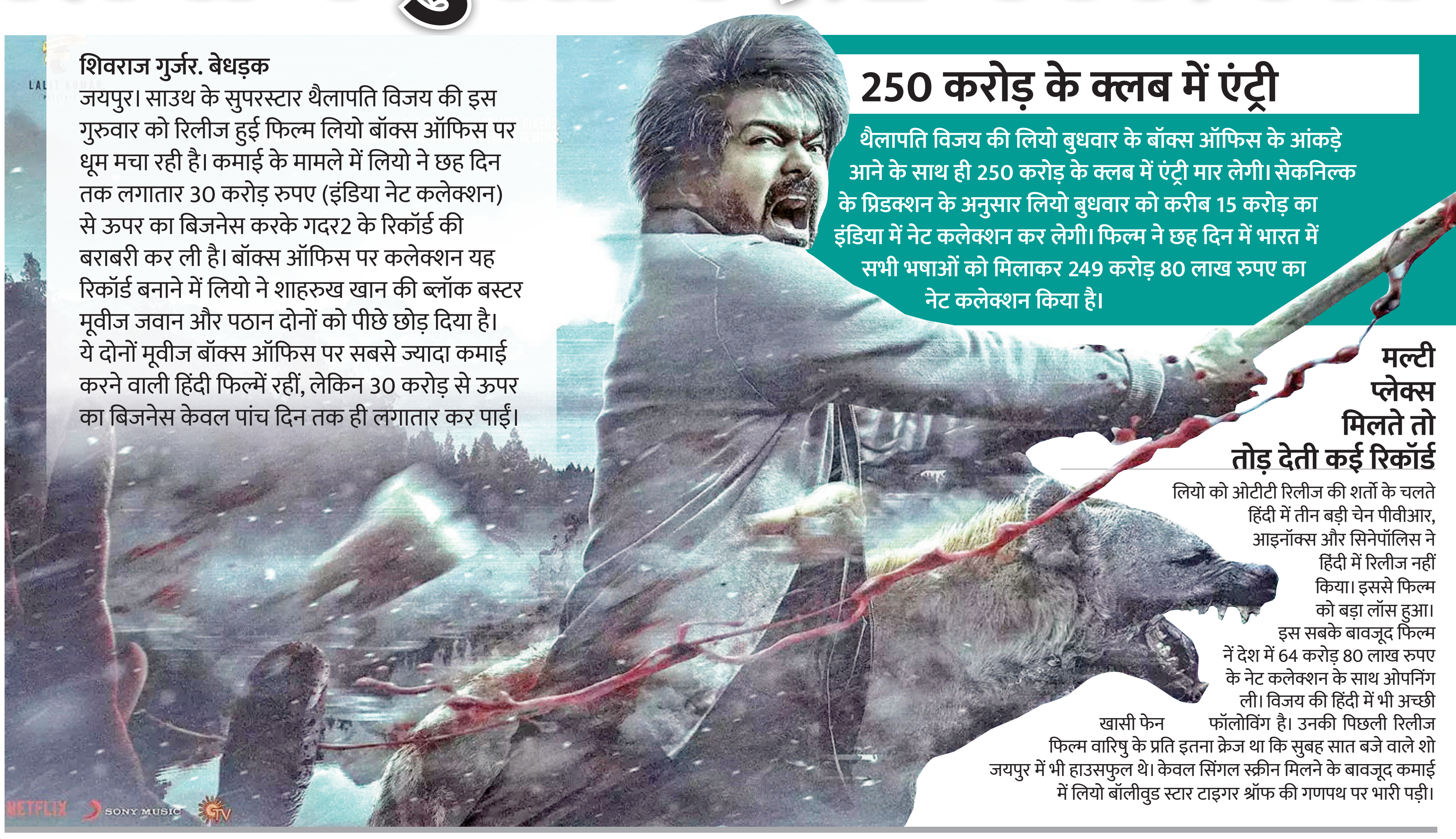

शिवराज गुर्जर. बेधड़क

जयपुर। साउथ के सुपरस्टार थैलापति विजय की इस गुरुवार को रिलीज हुई फिल्म लियो बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है। कमाई के मामले में लियो ने छह दिन तक लगातार 30 करोड़ रुपए (इंडिया नेट कलेक्शन) से ऊपर का बिजनेस करके गदर2 के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। बॉक्स ऑफिस पर कलेक्शन यह रिकॉर्ड बनाने में लियो ने शाहरुख खान की ब्लॉक बस्टर मूवीज जवान और पठान दोनों को पीछे छोड़ दिया है। ये दोनों मूवीज बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्में रहीं, लेकिन 30 करोड़ से ऊपर का बिजनेस केवल पांच दिन तक ही लगातार कर पाईं।

250 करोड़ के क्लब में एंट्री

थैलापति विजय की लियो बुधवार के बॉक्स ऑफिस के आंकड़े आने के साथ ही 250 करोड़ के क्लब में एंट्री मार लेगी। सेकनिल्क के प्रिडक्शन के अनुसार लियो बुधवार को करीब 15 करोड़ का इंडिया में नेट कलेक्शन कर लेगी। फिल्म ने छह दिन में भारत में सभी भषाओं को मिलाकर 249 करोड़ 80 लाख रुपए का नेट कलेक्शन किया है।

मल्टी प्लेक्स मिलते तो तोड़ देती कई रिकॉर्ड

लियो को ओटीटी रिलीज की शर्तो के चलते हिंदी में तीन बड़ी चेन पीवीआर, आइनॉक्स और सिनेपॉलिस ने हिंदी में रिलीज नहीं किया। इससे फिल्म को बड़ा लॉस हुआ। इस सबके बावजूद फिल्म नें देश में 64 करोड़ 80 लाख रुपए के नेट कलेक्शन के साथ ओपनिंग ली। विजय की हिंदी में भी अच्छी खासी फेन फॉलोविंग है। उनकी पिछली रिलीज फिल्म वारिषु के प्रति इतना क्रेज था कि सुबह सात बजे वाले शो जयपुर में भी हाउसफुल थे। केवल सिंगल स्क्रीन मिलने के बावजूद कमाई में लियो बॉलीवुड स्टार टाइगर श्रॉफ की गणपथ पर भारी पड़ी।

टॉप चार बड़ी मूवीज ने छह दिन में BO पर यह की कमाई (india net collection)

	लियो	गदर 2	जवान	पठान
पहला दिन	64.8 Cr	40.10 Cr	75 Cr	57 Cr
दूसरा दिन	35.25 Cr	43.08 Cr	53.23 Cr	70.50 Cr
तीसरा दिन	39.8 Cr	51.70 Cr	77.83 Cr	39.25 Cr
चौथा दिन	41.55 Cr	38.70 Cr	80.10 Cr	53.25 Cr
पांचवां दिन	35.7 Cr	55.40 Cr	32.92 Cr	60.75 Cr
छठा दिन	32.7 Cr	32.37 Cr	26 Cr	26.50 Cr
कुल	249.80	261.65		

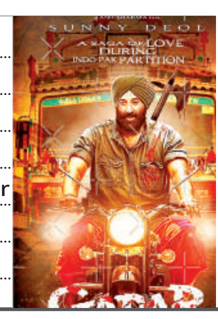

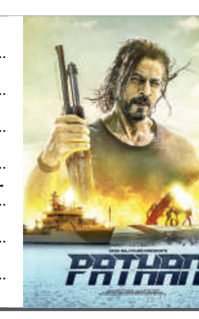

रावत पब्लिक ने जीते मेडल

बेधड़क. जयपुर। रावत पब्लिक स्कूल, प्रताप नगर के ताइक्वांडो स्टार्स ने 18 से 23 अक्टूबर के बीच गजेरा पब्लिक स्कूल, सूरत में आयोजित सीबीएसई वेस्ट जोन ताइक्वांडो चैंपियनशिप में भाग लिया। प्रतियोगिता में स्टार्स ने वेस्ट जोन में दूसरा स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। इनमें से रावत पब्लिक स्कूल, प्रताप नगर के विद्यार्थियों ने 3 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल जीते। भव्य वशिष्ठ,(12th), विहान रायल,पार्थ सतीश धाकड़ (10th) ने गोल्ड मेडल और ह र्ष नगरवाल, किशन मीना (12th) ने सिल्वर मेडल जीत कर नेशनल में अपना स्थान बनाया। रिंकू सिंह राजपूत और तरुण (10th) ने ब्रॉन्ज मेडल जीते। रावत एजुकेशनल ग्रुप के निदेशक नरेंद्र सिंह रावत ने कोच भरत शर्मा को उनके सफल निर्देशन के लिए सराहना की। प्राचार्या मैत्रेयी शुक्ला ने सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

स्ट्रेस से बचाव के उपाय बताए

बेधड़क. जयपुर। कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय के सेंटर फॉर करियर गाइडेंस, ट्रैनिंग एंड प्लेसमेंट द्वारा 'हाउ टू ओवरकम इंटरव्यू स्ट्रेस एन्जायटी' विषय पर आनलाइन सत्र का आयोजन किया गया है। सत्र में पुणे इंस्टीट्यूट ऑफ मैनजमेंट के विशेषज्ञ सीए निखिल नेनानी ने इंटरव्यू से पूर्व व इंटरव्यू के दौरान होने वाले तनाव के कारण और उनसे बचने के उपाय विस्तार पूर्वक बताए। सत्र में 45 छात्राओं ने भाग लिया। प्राध्यापिका अंकिता गुप्ता ने महाविद्यालय प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया

राकेश ने जीता कांस्य पदक

बेधड़क. जयपुर। राजस्थान के राकेश भैरा ने चीन के होंगझू में चल रहे पैरा एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता। राकेश भैरा ने 46 कैटगरी की 1500 मीटर की दौड़ में तीसरा स्थान प्राप्त किया। राकेश को अंतरराष्ट्रीय कोच महावीर सैनी ने प्रशिक्षण दिया है। कोच सैनी भी भारतीय टीम के साथ चीन गए हैं। सैनी ने होंगझू से फोन पर बताया कि एशियाई खेलों में भाग लेने आए राजस्थान के अन्य एथलीटों से भी पदक की उम्मीद है। दिव्यांग पैरा स्पोट् र्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के सचिव हिम्मत सिंह गुर्जर के ने राकेश भैरा को कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी है।

City इवेंट्स

जयपुर ब्लू टीम विजयी

बेधड़क. जयपुर। शर्मा-माथुर स्टेट लेवल टूर्नामेंट में संस्कार क्रिकेट एकेडमी पर जयपुर ब्लू बनाम कैपिटल क्लब का मैच हुआ। इसमें जयपुर ब्लू ने बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 241 रन बनाए। धनराज जड़वाल ने 85 बॉल में 76 रन व चिराग शर्मा ने 25 बॉल में शानदार 43 रन बनाए। कैपिटल क्लब की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए आशीष चौपड़ा व जयेश पंडित ने 2-2 विकेट लिए। वहीं, लक्ष्य का पीछा करने उतरी कैपिटल क्लब ने 40 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 230 रन बनाए। कैपिटल की ओर से भवित कुमावत 70 रन व रजत सिंह ने 54 रन बनाए। वहीं, जयपुर ब्लू की ओर से चिराग शर्मा व धनराज जड़वाल ने घातक गेंदबाजी करते हुए 3-3 विकेट लेकर जयपुर ब्लू को विजय दिलाई।

वरिष्ठ बैंक कर्मियों का होगा सम्मान

बेधड़क. जयपुर। दी बैंक ऑफ बड़ौदा एम्प्लाई यूनियन की प्रदेश इकाई अपनी स्थापना का गोल्डन जुबली जश्न मनाएगी। यह समारोह 28 एवं 29 अक्टूबर को महावीर स्कूल ऑडिटोरियम में होगा। यूनियन के महासचिव विनिल सक्सेना ने बताया कि समारोह में प्रदेश भर से 400 बैंक कर्मी शिरकत करेंगे। इस अधिवेशन में बैंक कर्मियों की कार्य दशाएं, विकास, ग्राहकों की अपेक्षाएं, नियमों का अनुपालन, बैंक के विकास आदि विभिन्न प्रस्तावों और संशोधनों पर विचार विमर्श किया जाएगा। साथ ही बैंक यूनियन के पदाधिकारियों का चुनाव कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। समारोह में बैंक सेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अनेक बैंक कर्मियों का सम्मान भी किया जाएगा।

फूड फेस्टिवल में होंगे 156 भोग

बेधड़क. जयपुर। इस साल का फूड फेस्टिवल पहले से बेहतर और भव्य रहेगा। गोल्डन ट्यूलिप के प्रमुख शेफ पवन सैनी ने बताया कि इस बार का मेन्यू खास और अलग तरह से होगा, जिसमें अलग-अलग देशों के खान-पान का संगम एक ही स्थान पर मिलेगा। इसमें विभिन्न देशों के स्नैक्स, सूप, पेय, सलाद, मैन कोर्स, डेसर्ट रहेंगे और ये सब मिलाकर 156 से भी ज्यादा होंगे। फूड फेस्टिवल मेरीगोलड रेस्तरां 25 अक्टूबर शाम साढ़े सात बजे से शुरू होगा और रविवार 29 अक्टूबर तक, 5 दिन तक चलेगा। हर साल की तरह इस साल भी फूड फेस्टिवल को बहुत अच्छा प्यार, रिस्पॉन्स मिल रहा है।

राजकुमार हिरानी के साथ शाहरुख की पहली मूवी

टाइगर थ्री के साथ थिएटर में आएगा डंकी फिल्म का टीजर

बेधड़क | जयपुर

शाहरुख खान स्टारर डंकी का टीजर सलमान खान-कैटरीना कैफ की टाइगर 3 के साथ जोड़ा जाएगा। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक एक सूत्र ने पोर्टल को बताया कि 'टाइगर 3' के बाद डंकी ही अगली सबसे बड़ी हिंदी मूवी है। इसके अलावा शाहरुख खान जहां डंकी में हीरो हैं, वहीं टाइगर थ्री में उनका कैमियो है। ऐसे में टीजर के लिए यह सबसे बढ़िया प्लानिंग है। दिलचस्प बात यह है कि शाहरुख खान के प्रशंसकों को अब टाइगर 3 देखने के लिए 1 नहीं बल्कि 2 कारण मिलेंगे। टाइगर 3 की बात करें तो हाल ही में फिल्म का पहला ट्रैक लेके प्रभु का नाम रिलीज हुआ और कुछ ही समय में यह फैन्स का पसंदीदा बन गया। बहुप्रतीक्षित टाइगर थ्री 12 नवंबर को रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म का डायरेक्शन मनीष शर्मा ने किया है और यशराज फिल्म्स बैनर के तहत बनी यह मूवी आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस की है। बात करें डंकी कि तो यह एक सोशल कॉमेडी-ड्रामा है,

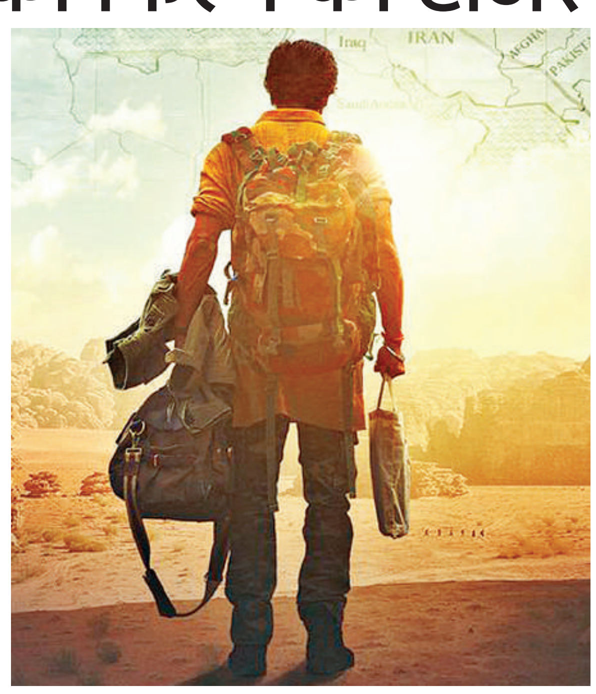

जिसमें लीड रोल में शाहरुख खान नजर आने वाले हैं। डायरेक्टर राजकुमार हरानी की शाहरुख खान के साथ यह पहली मूवी है। इससे पहले हरानी शाहरुख को मुन्ना भाई में लेना चाहते थे, लेकिन उस समय बात नहीं बन पाई थी। मूवी का पहला पोस्टर हाल ही जारी किया गया है। हिट डायरेक्टर और सुपरस्टार हीरो की मूवी को देखने के लिए फेंस में जोरदार क्रेज है। यह फिल्म भारत में रिलीज होने से एक दिन पहले 21 दिसंबर को विदेशों में रिलीज होगी।

सेंट जेवियर को वुड बैज सम्मान

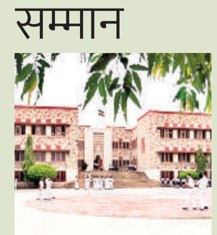

जयपुर। सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी विद्यालय सी-स्कीम की स्काउट-गाइड यूनिट के स्काउट मास्टर डॉ. अशोक सिंह कछवाहा ने 21 अक्टूबर को राजस्थान राज्य भारत स्काउट-गाइड के जिला स्तरीय द्वितीय अधिवेशन में स्काउट मास्टर की सर्वोच्च उपाधि हिमालय वुड बैज का सम्मान प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्हें हिमालय वुड बैज प्रमाणपत्र ,हिमालय वुड बैज का स्कार्फ और बीट्स पहनाकर सम्मानित किया गया। सेंट जेवियर की स्काउट-गाइड यूनिट की उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए उन्हें स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया

सोलर गांधी जयपुर में बोले...

प्रकृति आवश्यकता के लिए पर्याप्त है, लालच के लिए नहीं

बेधड़क | जयपुर

सोलर गांधी के नाम से फेमस प्रोफेसर चेतन सोलंकी इन दिनों जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग जैसे मुद्दों के बारे में लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने और लोगों को कार्बन छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 'ऊर्जा स्वराज यात्रा' पर हैं। उनके जयपुर पहुंचने पर बुधवार को विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी, एनएएसी ए+ ने उनकी मेजबानी की।

कार्यकम बिट्स एलुमनी एसोसिएशन, आईआईटी–रुड़की एलुमनी एसोसिएशन तथा डॉ. बी लाल इंस्टिट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के तत्वाधान में किया गया। प्रोफेसर सोलंकी ने वीजीयू में शिक्षाविदों और छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि पृथ्वी का तापमान खतरनाक गति से बढ़ रहा है, जिससे लोगों के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है।

उन्होंने कहा, 'जब हम स्थानीय संसाधनों और स्थानीय लोगों के साथ स्थानीय स्तर पर ऊर्जा उत्पादन और उपभोग में आत्मनिर्भर हो जाएंगे, तो हम ऊर्जा स्वराज हासिल कर लेंगे।' उन्होंने कहा कि प्रकृति आवश्यकता के लिए पर्याप्त है, लालच के लिए नहीं। आईआईटी-बॉम्बे में प्रोफेसर सोलंकी ने अपने निवास और परिवार को छोड़कर 11 साल तक यात्रा पर रहने की योजना बनाई है। बुधवार को यात्रा का 1063वां दिन रहा।

रोशनी 29 अक्टूबर को होने वाले कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन और मशाल रिवील

'स्वस्थ भारत-अखंड भारत' में होगी हेल्दी इंडिया की बात

बेधड़क | जयपुर

आज का युवा देर रात को सोता है और सुबह देर से जागता है। साथ ही मोबाइल ने फास्ट फूड कल्चर को तेजी से बढ़ा दिया है, क्योंकि आधी रात को भी ऑनलाइन फूड डिलीवरी आसानी से हो जाती है। ऐसे में युवाओं के साथ-साथ हर उम्र के लोगों में डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और अन्य बीमारियां बढ़ती जा रही हैं। मोटापा बढ़ता जा रहा है। पहले बेल्ट का बक्कल काफी चौड़ा होता था, जो कमर और पेट को एक समान रखना था, आज बेल्ट का बक्कल छोटा हो गया है

और पेट कमर से आगे निकल गया है। ऐसे में जरूरी है, कि जयपुर के साथ-साथ पूरे राजस्थान और देश भर के लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाए। इस बार 29 अक्टूबर को महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में रोशनी का आयोजन होगा। यह कहना था डॉक्टर सुनील ढंड का जो रोशनी कार्यक्रम के डायरेक्टर हैं। इस मौके पर रोशनी का पोस्टर विमोचन और मशाल रिवीलिंग भी की गई। पोस्टर विमोचन के मौके पर डॉ सुनील ढंड के साथ आचार्य अनुपम जोली, वर्तिका जैन टीवी कलाकार,मदन मोहन पालीवाल, संजीव वर्मा, चंद्र प्रकाश पारीक, सपना जैन, समरिधि शर्मा, सांवर मल जांगिड़, निशा पारीक, योगी मनीष विजयवर्गीय, सपना फूटेला, उपस्थित रहे।

संत और योग एक्सपर्ट भी जुड़े

आयोजकों ने बताया कि रोशनी से इस बार संत महात्मा और योगा एक्सपर्ट भी जुड़े हैं, जो अपने-अपने तरीके से लोगों को हेल्थ के प्रति अवेयर करेंगे। डॉक्टर सुनील ढंड ने कहा, हम प्रयास कर रहे हैं कि स्कूलों में दिन की शुरुआत योग से हो। साथ ही रोशनी 2023 में हम बांसुरी और सैक्सोफोन के आर्टिस्ट को बुला रहे हैं जो म्यूजिक के साथ अपनी बात रखेंगे, क्योंकि म्यूजिक भी एक तरीके का योग है। साथ ही साथ टैलेंट के रूप में डांसर स्टेज पर परफॉर्म करेंगे।

ये भी होगा खास

इस बार रौशनी कार्यक्रम में कुछ खास है जैसे कि म्यूजिकल स्वास्थ्य परिचर्चा, प्रकृति संस्कृती स्वास्थ्य और संस्कार पर डॉ. सुनील ढंड, योगाचार्य महेंद्र सिंह और लाइफ कोच मधुलिका शर्मा परिचर्चा करेंगे। साथ ही बांसुरी वादक पलक जैन, ट्रम्पेट पर राहुल शाह, अपर्णा बाजपेई, सारे गामा पा से आसम अली, इण्डिया गोट टेलेंट शो के फाइनलिस्ट क्रेजी हूपर सर्जिकल स्ट्राइक पर जलवे दिखाएंगे।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क
जयपुर, गुरुवार, 26 अक्टूबर, 2023

जीवन तभी सार्थक है जब हम किसी लक्ष्य के लिए प्रयास कर रहे हों।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

इजराइल की 13 लड़कियों ने हमास के 100 आतंकियों को किया ढेर

UN महासचिव के बयान पर भड़का इजराइल

संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों का वीजा रोका

तेल अवीव। आतंकी संगठन हमास के साथ जारी युद्ध के बीच इजराइल अब संयुक्त राष्ट्र पर अपनी भड़ास निकाल रहा है। इजराइल का कहना है कि उसने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की टिप्पणियों के परिणामस्वरूप संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के प्रमुख मार्टिन ग्रिफिथ को वीजा देने से इनकार कर दिया है। इजराइली मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत गिलाद एर्दान ने सेना रेडियो पर कहा कि उनका देश 'यूएन को सबक सिखाना चाहता है।' दरअसल, इससे पहले संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा था

कि हमास ने इजराइल पर हमला 'अकारण' नहीं किया है। उनकी इस टिप्पणी से इजराइल नाराज हो गया है और उसने संयुक्त राष्ट्र प्रमुख से इस्तीफे व माफी की मांग की है। इजराइल के विदेश मंत्री एली कोहेन ने सुरक्षा परिषद की मंत्रिस्तरीय बैठक में शिरकत की थी। इस बीच, इजराइल की 13 लड़कियों ने हमास के 100 आतंकियों को ढेर कर एक शहर आजाद करा दिया।

सैन्य टुकड़ी की चर्चा पूरी दुनिया में

इजराइल की 13 लड़कियों की एक सैन्य टुकड़ी की पूरी दुनिया में चर्चा हो रही है, जिसने 100 से ज्यादा खूंखार हमास आतंकियों को मार गिराया और किबुत्ज शहर को ही आजाद करा लिया। जिस पर 7 अक्टूबर को हमास ने सबसे ज्यादा हमला बोला था। इस टुकड़ी का नेतृत्व लेफ्टिनेंट कर्नल बेन येहूदा कर रही हैं।

सबक सिखाने का समय आ गया: एर्दान

इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत ने बुधवार को महासचिव एंटोनियो गुतेरेस की टिप्पणियों के बाद इजराइली आर्मी रेडियो को बताया, "उनकी टिप्पणी के परिणामस्वरूप, हम संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधियों को वीजा देने से इनकार कर देंगे। उन्हें सबक सिखाने का समय आ गया है।" उन्होंने कहा कि इजराइल पहले ही संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के अवर महासचिव और मार्टिन ग्रिफिथ्स के वीजा आवेदन को खारिज कर चुका है। इससे पहले इजराइल के विदेश मंत्री एली कोहेन ने गुतेरेस के साथ अपनी भेंट को रद्द कर दिया।

डोकलाम पर समझौते के मूड में भूटान!

चीनी प्लान, भारत परेशान

एजेंसी | थिम्फू

दशकों से भारत और भूटान के बीच अच्छे राजनीतिक और रणनीतिक संबंध रहे हैं। दोनों देशों के बीच सैन्य साझेदारी भी रही है, लेकिन अब हालात बदलते दिख रहे हैं। साल 2017 में जिस डोकलाम के लिए चीन और भारत में आपस में तनातनी हो गई थी और लंबा विवाद चला था, उस पर अब भूटान ही झुकने के मूड में दिख रहा है। वह चीन के साथ डोकलाम पर समझौता कर सकता है और ऐसा होना भारत के लिए मुश्किल बढ़ाने वाला होगा।

भूटान के विदेश मंत्री टांडी दोरजी इन दिनों चीन के दौरे पर हैं। सोमवार को दोरजी और चीनी विदेश मंत्री वांग यी की मुलाकात हुई, जिसमें सीमा विवाद समेत कई मामलों पर बात हुई। मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा, कि हमारे कूटनीतिक संबंध बहाल होने से दोनों देशों के हित सधेंगे। दरअसल, चीन के कुल 12 देशों के साथ सीमा विवाद थे, जिनमें से 10 से मसला हल कर लिया है।

चीन का अब दो देशों से ही सीमा विवाद

फिलहाल भारत और भूटान ही ऐसे देश हैं, जिससे उसका सीमा विवाद चल रहा है। यदि भूटान से भी उसका कुछ समझौता हो जाता है तो फिर भारत अकेला देश होगा, जिसका भारत के साथ डोकलाम, लद्दाख, अरुणाचल की सीमा को लेकर विवाद रहेगा। भूटान के उत्तर पश्चिम और मध्य क्षेत्र के 764 किलोमीटर के इलाके पर चीन दावा करता रहा है। भूटान की हा वैली से पूर्व में और पश्चिम में यह सिक्किम से लगा हुआ है। इस तरह यदि भूटान से चीन का समझौता हुआ तो डोकलाम पर दो दिशाओं से चीन का नियंत्रण होगा।

भारत के लिए अहम है डोकलाम

डोकलाम को लेकर भूटान से ज्यादा भारत संवेदनशील रहा है। भारत का भूटान से सुरक्षा को लेकर समझौता भी है और डोकलाम पर जब विवाद हुआ तो भारत से उसने मदद भी मांगी थी। लेकिन अब दोनों देशों के बीच बातचीत जिस दिशा में बढ़ रही है, उसमें भारत सीन से अलग दिख रहा है। डोकलाम यदि चीन के हाथ जाता है तो उसे सैन्य बढ़त मिल जाएगी। किसी भी जंग की स्थिति में वह आसानी से भूटान को कुचल सकता है।

चीन की रिसर्च शिप श्रीलंका में

कोलंबो। चीन का एक अनुसंधान पोत (रिसर्च शिप) बुधवार को श्रीलंका के कोलंबो बंदरगाह पर पहुंचा। भारत व अमेरिका ने इस जहाज की यात्रा को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंता जाहिर की थी। भारत द्वारा उठाई गई सुरक्षा चिंताओं के कारण श्रीलंका 'शी यान 6' के आगमन की अनुमति देने में देरी कर रहा था। अभी स्पष्ट नहीं है कि यह जहाज कोलंबो बंदरगाह पर कितने समय तक रहेगा।

भारत के खिलाफ कनाडा के साथ हुआ न्यूजीलैंड

सभी 'फाइव आइज'देश हुए एकजुट

एजेंसी | वेलिंग्टन

भारत के साथ राजनायिक विवाद के बीच कनाडा को अब एक और देश का समर्थन मिला है।

हम बात कर रहे हैं न्यूजीलैंड की। दरअसल, न्यूजीलैंड एकमात्र "फाइव आइज" देश था, जिसने भारत के साथ राजनयिक विवाद में सार्वजनिक रूप से कनाडा का समर्थन नहीं किया था। अब न्यूजीलैंड ने भी राजनयिकों के निष्कासन पर कनाडा का समर्थन किया है। न्यूजीलैंड के विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा कि अब वक्त ज्यादा कूटनीति का आ गया है।

हम इस बात से चिंतित हैं कि भारत ने कनाडा से अपनी राजनयिक उपस्थिति कम करने की मांग की है। इसके कारण बड़ी संख्या में कनाडाई राजनयिक भारत से चले गए हैं। अब लगता है कि अधिक कूटनीति का समय आ गया है।

बता दें कि फाइव आइज में ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका शामिल हैं। ये देश सिग्नल इंटेलिजेंस में संयुक्त सहयोग के लिए एक संधि से जुड़े हैं।

चीन के वैज्ञानिकों ने दी चेतावनी

8 नए खतरनाक वायरस की खोज

एजेंसी | बीजिंग

चीनी वैज्ञानिकों ने कोरोना के बाद नया कोरोना इसके साथ और भी कुछ खतरनाक वायरस की खोज की है। दरअसल, उन्होंने 8 नए वायरस की खोज की है और चेतावनी दी है कि ये इंसानों को संक्रमित कर सकते हैं। इन खतरनाक वायरस को एक उष्णकटिबंधीय द्वीप हेनान पर पाया गया है। ये शोधकर्ता इन वायरस का अध्ययन कर रहे हैं, ताकि दुनिया को कोरोना जैसी एक और महामारी के लिए तैयार किया जा सके। इन चीनी वैज्ञानिकों ने देश के हैनान द्वीप से चूहों और गिलहरियों से 700 नमूने लिए हैं। इस शोध के दौरान चीनी वैज्ञानिकों को 8 नए वायरस मिले हैं। इनमें से तो एक ठीक उसी वायरल परिवार का है जिसका कोरोना वायरस है।

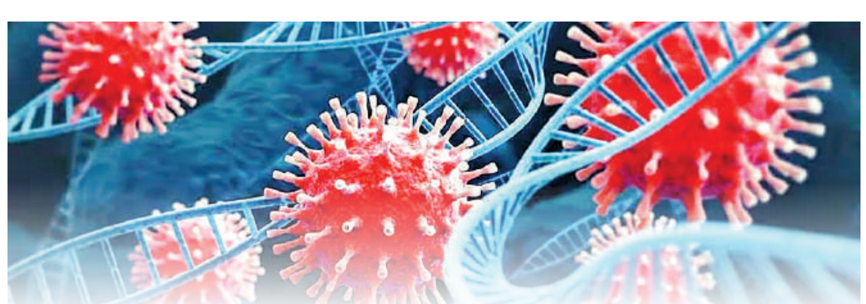

इंसानों के संक्रमित होने की आशंका अत्यधिक

यह पता लगाने का प्रयास जारी है कि ये वायरस किस तरह इंसानों को संक्रमित कर सकते हैं। इस शोध में विभिन्न रोडेंट के एनस और गले से 682 नमूने लिए गए थे। इन जीवों को साल 2017 से 2021 के बीच में हेनान द्वीप से पकड़ा गया था। इसके बाद इन नमूनों को लैब में भेज दिया गया था ताकि उनकी जांच की जा सके। इस विश्लेषण से कई नए तरह के वायरस का खुलासा हुआ। इनमें से एक तो नया करोना वायरस है और इसको CoV-HMU-1 नाम दिया गया है।

एक वायरस कैंसर से जुड़ा

उन्होंने कहा कि इनमें एस्टोवायरस भी शामिल हैं, जो पेट में संक्रमण पैदा कर सकते हैं। एक वायरस तो ऐसा है जो कैंसर को बढ़ा सकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि ऐसा संभव है कि कई और अज्ञात वायरस दुनिया के सुदूर इलाकों में छिपे हुए हैं। बता दें कि कोरोना वायरस भी चीन के वुहान शहर से फैला था और इस महामारी की वजह से दुनियाभर में लाखों लोग मारे गए थे। अब इस नई खोज से दुनिया की धड़कनें बढ़ गई हैं।

पाकिस्तान: सीजेपी ने कार्यवाहक सरकार पर सवाल उठाए, कहा...

चुनाव कराने की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग की

एजेंसी | इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश काजी फैज ईसा ने कार्यवाहक सरकार की उपयोगिता और उद्देश्य को लेकर सवाल उठाते हुए कहा है कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग की है, न कि अंतरिम सरकार की। रिपोर्ट के अनुसार प्रधान न्यायाधीश ने देश में समय पर चुनाव कराने के अनुरोध से संबंधित एक मामले की मंगलवार को सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। पाकिस्तान में वर्तमान में कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवार-उल-काकड़ का शासन का जिम्मा संभाल रहे हैं और देश में अगले साल जनवरी में चुनाव होने की संभावना है। कार्यवाहक सरकार पंजाब, बलूचिस्तान, सिंध और खैबर-पख्तूनख्वा प्रांतों में भी है।

सीजेपी ईसा ने कहा, 'कार्यवाहक सरकार का एक उद्देश्य पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित कराना है। हालांकि संविधान के अनुसार पारदर्शी चुनाव कराने की जिम्मेदारी पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) की है।' उन्होंने सवाल किया, 'जब ये जिम्मेदारी ईसीपी की है तो कार्यवाहक सरकार की क्या जरूरत है?' तीन-सदस्यीय पीठ की अध्यक्षता कर रहे चीफ जस्टिस ने कहा कि जिस व्यक्ति (सैन्य तानाशाह जनरल जिया-उल हक) ने कार्यवाहक सरकार का विचार पेश किया, उसी ने कभी इस पर खुद अमल नहीं किया।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl